सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

स्मिथ को लगी गेंद पर पहला टेस्ट खेलेंग -पेज: 7

दिल्ली क्राइम सीजन-3 में बड़ी दीदी का किरदार निभाना चैलेंजिंग -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 221 | गुरुवार 20 नवंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

ध्वजारोहण समारोह के कारण 25 नवंबर को भक्तों के लिए बंद रहेगा राममंदिर

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में 25 नवंबर को ध्वजारोहण समारोह के कारण राममंदिर आम भक्तों के लिए बंद रहेगा। ध्वजारोहण समारोह के दिन आमंत्रित अतिथियों को ही रामलला के दर्शन होंगे। 26 नवम्बर को भोर में चार बजे से आम भक्तों के लिए श्रीराम मंदिर में रामलला के दर्शन शुरू हो जाएंगें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मंगलवार को हुई बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों ने रामविवाह के कारण अयोध्या में बड़ी संख्या में आने वाले रामभक्तों को दर्शन कब कराएंगे के जवाब में यह जानकारी दी। ध्वजारोहण समारोह और रामविवाह उत्सव एक दिन होने से अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या आम दिन की तुलना में अधिक रहेगी। अयोध्या जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे ने बताया कि राममंदिर ध्वजारोहण समारोह में जो आमंत्रित अतिथि एक दिन पूर्व आ जायेंगे उनको 24 नवंबर को ही रामलला के दर्शन करा दिये जाएंगें। एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने बताया कि अयोध्या में 24 नवम्बर को आने वाले राममंदिर ध्वजारोहण समारोह के अतिथियों के रुकने आने जाने और उनके वाहनों की पार्किंग सब तय कर लिए गए हैं। 25 नवम्बर को कौन सा वाहन उनको राममंदिर ले जाएगा, सब सुनिश्चित कर आने वाले अतिथियों को ट्रस्ट सभी जानकारियों और सूचनाओं को साझा कर चुका है।

पटना के मरीन ड्राइव पर हाईवोल्टेज ड्रामा, पुलिसवाला... प्रेग्नेंट महिला पर स्कूटी चढ़ाने लगा

पटना (एजेंसी)। पटना के मरीन ड्राइव पर चालान काटने को लेकर हाईवोल्टेज ड्रामा दिखाई दिया। बात इतनी बढ़ गई की पुलिस वाला प्रेग्नेंट महिला पर स्कूटी चढ़ाने लगा। इस पर महिला चिल्लाती रही। कहती रही कि मैं प्रेग्नेंट हूं ऐसा मत कीजिए, लेकिन पुलिस वालों ने उस गर्भवती महिला की एक ना सुनी। वे स्कूटी पर बैठे और स्टार्ट कर के ले जाने लगे। महिला सामने खड़ी हुई, तब पुलिस वालों ने गाड़ी नहीं रोकी। महिला पर चढ़ा दी। करीब 20 मीटर तक महिला स्कूटी पर लटकी रही। इस दौरान महिला को चोट भी आई है। महिला अपने पति के साथ मरीन ड्राइव घूमने गई थी। यूटर्न दूर था, तब दोनों गाड़ी हाथ में लेकर रॉन्ग साइड से लौट रहे थे, तभी पुलिस पहुंच गई। मामले का वीडियो भी सामने आया है, जो अभी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। महिला का पति स्कूटी धक्का देकर आगे बढ़ रहा था। इसी बीच एक पुलिसकर्मी पहुंचा। उसने कहा कि आप लोग रॉन्ग साइड से आ रहे हैं, चालान कटेगा। महिला के पति ने कहा कि हम रॉन्ग साइड से हैं, पर स्कूटी चला नहीं रहे हैं न। पुलिस ने स्कूटी के पेपर चेक किए, तब पहले से 12,000 रुपए का फाइन था। जिसके बाद पुलिस ने स्कूटी को जब्त कर थाने ले जाने लगी। इसी के बाद सड़क पर हाइवोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया। रोड पर काफी ड्रामे के बाद महिला स्कूटी पर पुलिस के साथ बैठी और थाने पहुंची। पति भी पीछे-पीछे आया। थाने पर पहुंचने के बाद महिला और उसके पति ने पुलिस से रिक्वेस्ट किया कि दोबारा ऐसी गलती नहीं होगी और जो पेंडिंग चालान है, अगले 15 दिनों के अंदर भर दिया जाएगा। इसके बाद पुलिस ने स्कूटी सहित दोनों को छोड़ दिया।

आतंकी नेटवर्क को बेनकाब करने के उद्देश्य से जेलों में मारे जा रहे छापे

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर पुलिस की 'काउंटर इंटेलिजेंस' शाखा ने बुधवार को उच्च सुरक्षा मानकों वाली कोट भलवाल जेल में छापा मारा। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि केंद्रीय जेल में छापे मारे जा रहे हैं जिनमें कट्टर पाकिस्तानी और स्थानीय आतंकवादियों के अलावा कुख्यात अपराधी भी बंद हैं। उन्होंने कहा कि यह छापेमारी एक ऐसे अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य जेल के अंदर से कथित तौर पर चलाए जा रहे आतंकी नेटवर्क को बेनकाब करना है। दिल्ली में 10 नवंबर को लाल किला के पास हुए कार विस्फोट और कुछ चिकित्सकों के सफेदपोश आतंकी नेटवर्क के हालिया खुलासे के बाद संचालित एक बड़े अभियान की पृष्ठभूमि में कोट भलवाल जेल पर छापे मारा गया है। अभी इसकी पूरी जानकारी नहीं मिली है।

दिल्ली के स्कूल में खेल गतिविधि पर लगे रोक... प्रदूषण पर हर माह सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर का क्षेत्र इनदिनों धुए का चैंबर बने हुए है। इस लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नवंबर-दिसंबर में स्कूलों में होने वाले स्पोर्ट्स कार्यक्रम पर रोक लगाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश सीनियर वकील अपराजिता सिंह के सवाल पर दिया। सिंह ने कहा था कि, दिल्ली में मौजूदा वक्त में प्रदूषण के स्तर को देखकर इसतरह की खेल गतिविधि बच्चों को गैस चैंबर में डालने जैसा है। सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस के.विनोद चंद्रन और जस्टिस एनवी अंजारिया ने कहा कि, वे पॉल्यूशन को लेकर हर महीने सुनवाई करने वाले है। ताकि इसका स्थायी समाधान निकाला जा सके। इसके अलावा कोर्ट ने दिल्ली में ग्रैप-3 लागू होने के कारण बेरोजगार हुए कंस्ट्रक्शन मजदूरों को भत्ता/आर्थिक सहायता देने का भी आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि ग्रैप-3 लागू होने के कारण बेरोजगार हुए कंस्ट्रक्शन मजदूरों को भत्ता/आर्थिक सहायता दी जाए। राज्य वायु प्रदूषण कम करने के लिए आवश्यक रोकथाम उपाय लागू करें। कोर्ट ने निर्देश दिया कि इन उपायों की नियमित समीक्षा की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वायु प्रदूषण से जुड़ा मामला हर महीने लिस्ट किया जाए, ताकि इसकी लगातार निगरानी की जा सके।

किऊल जंक्शन आरएमएस ऑफिस में भीषण आग

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के लखीसराय जिले के किऊल जंक्शन स्थित रेल डाक सेवा (आरएमएस) ऑफिस में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से आरएमएस कार्यालय में रखे गए लाखों रुपये के महत्वपूर्ण सामान, दस्तावेज, डाक, पैकेज और दफ़्तरी सामान जलकर राख हो गए। आग लगने की खबर मिलते ही रेलकर्मी और अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। सीमित संसाधनों के कारण शुरुआती प्रयासों में आग पर काबू पाना मुश्किल हुआ। इसके बाद में फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सौभाग्य से इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। आग लगने का कारण (आशंका)- फिलहाल, आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

शशि थरूर की पोस्ट पर सुप्रिया श्रीनेत का पलटवार, मुझे पीएम मोदी के भाषण में कुछ भी सराहनीय नहीं लगा

कांग्रेस नेता थरूर ने पीएम मोदी के भाषण की जमकर तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान पर सांसद शशि थरूर द्वारा की गई सकारात्मक समीक्षा को खारिज कर कहा कि उन्हें भाषण में सराहना लायक कुछ भी नहीं लगा। कांग्रेस सांसद थरूर के पोस्ट का जवाब देकर श्रीनेत ने कहा कि मुझे प्रधानमंत्री मोदी के भाषण में सराहना लायक कुछ भी नहीं लगा। मुझे लगता है कि प्रधानमंत्री को कई बातों का जवाब देना चाहिए।

श्रीनेत ने कहा कि वे एक अखबार के कार्यक्रम में थे। उन्हें हमें बताना चाहिए था कि निष्पक्ष पत्रकारिता से उन्हें क्या दिक्कत है। उन्हें बताना चाहिए था कि वे सच दिखाने और बोलने वालों से खुश क्यों नहीं हैं। श्रीनेत ने कहा कि मुझे उनकी सराहना करने का कोई कारण नहीं दिखा। मुझे नहीं पता कि उन्हें (शशि थरूर) इसकी कोई वजह कैसे मिल गई। मुझे वहां एक तुच्छ भाषण लगा। उन्होंने वहाँ भी कांग्रेस की आलोचना की।

उनकी टिप्पणी थरूर की पोस्ट के माध्यम से की गई प्रतिक्रिया से बिल्कुल विपरीत थी, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री के संबोधन पर प्रकाश डाला था। थरूर ने लिखा कि उन्होंने व्याख्यान में भाग लिया था और उन्होंने देखा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विकास के लिए भारत की रचनात्मक अधीरता की बात की थी और उपनिवेशवाद-विरोधी मानसिकता पर ज़ोर दिया था। कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को उभरता हुआ बाज़ार नहीं, बल्कि दुनिया के लिए एक उभरता हुआ मॉडल बताया, देश के आर्थिक लचीलेपन पर ज़ोर देकर कहा कि वह लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए चुनावी मूड में नहीं, बल्कि भावनात्मक मूड में हैं।

थरूर ने कहा कि भाषण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मैकाले की 200 साल पुरानी गुलामी मानसिकता की विरासत को पलटने और भारत की विरासत, भाषाओं और ज्ञान प्रणालियों में गौरव बहाल करने के लिए 10 साल के राष्ट्रीय मिशन की अपील पर केंद्रित था। उन्होंने कहा, बुरी सर्दी और खांसी से जूझने के बावजूद दर्शकों के बीच उपस्थित रहकर खुशी हुई!

अनमोल बिश्नोई की सुरक्षा को लेकर चिंतित, चचेरे भाई रमेश बिश्नोई

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के चचेरे भाई रमेश बिश्नोई ने केंद्र की मोदी सरकार से अपील की है कि अनमोल बिश्नोई की सुरक्षा सुनिश्चित करे, जिन्हें अमेरिका से भारत प्रत्यर्पित किया गया है।वहीं, एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान ने केंद्र और राज्य सरकारों से पुरज़ोर अपील की है कि अनमोल को तुरंत भारत लाकर पूछताछ और गिरफ्तारी की जाए। उन्होंने केंद्र सरकार से अनमोल की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। रमेश बिश्नोई का दावा है कि अनमोल को केवल गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भाई होने की सज़ा मिल रही है। उन्होंने कहा कि जाँच में सब कुछ सामने आ जाएगा और अनमोल निर्दोष साबित होगा। उन्होंने कहा कि उनका परिवार कानून का सम्मान करता है और कानून का पालन करने वाले लोग हैं। परिवार की मुख्य चिंता यह है कि अनमोल की बेहतर सुरक्षा केंद्र सरकार तय करे। उन्हें पीड़ित अधिसूचना के माध्यम से एक ईमेल मिला है, जिसमें कहा गया है कि संघीय सरकार ने अनमोल बिश्नोई को 18 नवंबर तक संयुक्त राज्य अमेरिका से हटा दिया है। उन्होंने केंद्र से अनमोल को अमेरिका से भारत वापस लाने और राज्य सरकार से मुंबई लाकर पूछताछ और गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का पुरज़ोर अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार को अभी भी न्याय का इंतज़ार है। उनकी मांग है कि उनके पिता की हत्या के पीछे की पूरी साज़िश सामने आनी चाहिए, क्योंकि उनके पिता का बिश्नोई से कोई लेना-देना नहीं था और कोई भी सिर्फ़ अपने मतलब के लिए ऐसा नहीं करेगा।

ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी बरसात के कारण 32 नए भूस्खलन जोन बने

-डीपीआर तैयार करके केंद्र सरकार के पास भेजने की तैयारी

देहरादून (एजेंसी)। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (बदरीनाथ हाईवे) पर भारी बरसात के कारण 32 नए भूस्खलन जोन बन गए हैं। हाईवे पर अब 45 पुराने चिह्नित जोन के अलावा 32 नए भूस्खलन जोन हो गए हैं। भूस्खलन और भूधंसाव के कारण हाईवे कई जगहों पर अति संवेदनशील हो गया है। टीएचडीसी (टीएचडीसी) के विशेषज्ञ दल ने इन 32 नए भूस्खलन जोन का स्थलीय निरीक्षण कर दिया है। टीएचडीसी द्वारा अब डीपीआर (डीपीआर) तैयार की जा रही है, जिसे स्थायी ट्रीटमेंट के लिए भारत सरकार को भेजा जाएगा। ऑलवेदर रोड परियोजना में 2016 में चौड़ीकरण शुरू होने के बाद कटान से जगह-जगह भूस्खलन जोन पैदा हुए थे। पहला चरण में 22 चिह्नित भूस्खलन जोन का स्वाइल एवं राक एकरिंग तकनीक से स्थायी ट्रीटमेंट किया जा रहा है (70 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा)। दूसरा चरण में 24 भूस्खलन जोन के स्थायी ट्रीटमेंट के लिए डीपीआर को स्वीकृति मिल चुकी है। सम्राट होटल से नरकोटा तक करीब एक किलोमीटर का क्षेत्र सबसे ज्यादा संवेदनशील है, जहां पहाड़ी दरक रही है और अक्सर यातायात बाधित होता है। तोताघाटी के संवेदनशील जोन में ऑलवेदर रोड परियोजना के तहत तीखे मोड़ खत्म कर दिए गए हैं और सुरक्षा दीवार का निर्माण हो रहा है।

नए भूस्खलन जोन वाले कुछ स्थानः स्वीत पुल, सम्राट होटल के समीप, फरासू, ब्रह्मपुरी, तिमलापानी, शिवपुरी, कौडियाला, महादेव चट्टी, सकनीधार, भीत गांव, देवप्रयाग संगम, मुल्यागांव, मलेथा, कीर्तिनगर के समीप, और उफ्ल्टा। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण खंड, श्रीनगर गढ़वाल के अधिशासी अभियंता, राजवीर सिंह चौहान के अनुसार, जल्द ही स्थायी सुधारीकरण के लिए डीपीआर तैयार होगी और आगामी यात्राकाल तक हाईवे की स्थिति काफी ठीक हो जाएगी।

जो कोई भी भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू : भागवत

गुवाहाटी (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने जोर देकर कहा कि हिंदू धर्म धार्मिक अर्थों से बंधा नहीं है, बल्कि समावेशी है। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि अगर मुसलमान और ईसाई इस देश की पूजा करते हैं, भारतीय संस्कृति का पालन करते हैं, यहाँ तक कि अपने रीति-रिवाजों और परंपराओं को छोड़े बिना भी, तब वे भी हिंदू हैं। आरएसएस के शताब्दी समारोह के तहत असम की अपनी यात्रा के दौरान बुद्धिजीवियों, विद्वानों, संपादकों, लेखकों और उद्यमियों के समूह को संबोधित कर भागवत ने कहा कि जो लोग मातृभूमि के प्रति समर्पण, हमारे पूर्वजों के गौरव और हमारी संस्कृति की विरासत को आगे बढ़ाते हैं, वे सभी हिंदू हैं। हिंदू धर्म को धार्मिक अर्थों में नहीं लिया जाना चाहिए। हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति केवल भोजन और पूजा नहीं है। यह समावेशी है।

भागवत ने कहा कि जो कोई भी भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू है। संघ प्रमुख भागवत ने दावा किया कि हिंदू केवल एक धार्मिक शब्द नहीं है, बल्कि हजारों वर्षों की सांस्कृतिक निरंतरता में निहित एक सभ्यतागत पहचान है। उन्होंने कहा कि भारत और हिंदू पर्यायवाची हैं। भारत को हिंदू राष्ट्र होने के लिए किसी आधिकारिक घोषणा की आवश्यकता नहीं है। इसकी सभ्यतागत प्रकृति पहले से ही इस बात को दर्शाती है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आरएसएस की स्थापना किसी का विरोध करने या नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने और भारत को वैश्विक नेता बनाने में योगदान देने के लिए की गई थी।

इनमें से, आरएसएस प्रमुख ने परिवार संस्था को मज़बूत करने पर विशेष ज़ोर दिया और हर परिवार से अपने पूर्वजों की कहानियों को संजोने और युवा पीढ़ी में जम्मिदारी और सांस्कृतिक गौरव का संचार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लचित बोरफुकन और श्रीमंत शंकरदेव जैसे आदर्शों से सभी भारतीयों को प्रेरणा मिलनी चाहिए, भले ही उनका जन्म किसी विशेष प्रांत में हुआ हो, लेकिन वे हमारे राष्ट्रीय आदर्श हैं।

भागवत ने स्वतंत्रता संग्राम में आरएसएस स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन में डॉ. हेडगेवार के कारावास और 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान देश भर के अनगिनत स्वयंसेवकों के योगदान को याद किया

एसआईआर के चलते 500 बांग्लादेशी भागे, पश्चिम बंगाल में मच रही भगदड़

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों में हड़कंप मचा हुआ है। वजह ये है कि एसआईआर को लेकर यहां गहन जांच पड़ताल चल रही है।इसके तहत घर-घर जाकर बूथ लेवल ऑफिस मतदाताओं की जानकारी ले रहे हैं। इसमें पूछा जा रहा है कि क्या आपका 2003 की वोटर लिस्ट में नाम था। यदि नहीं था तो फिर आपके परिवार के किन सदस्यों का नाम था। ऐसी तमाम जानकारियां हैं, जो संदिग्ध लोग नहीं दे पाएंगे। यही वजह है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों में इसका खौफ देखा जा रहा है। पश्चिम बंगाल से आई जानकारी के मुताबिक एसआईआर के खौफ से 500 बांग्लादेशी भाग खड़े हुए हैं। इन लोगों ने बांग्लादेश छोड़ दिया है और किसी तरह सीमा पार कर गए हैं। बीएसएफ ने यह जानकारी दी है, जिसने इन लोगों को इंटरसेप्ट किया था। बीएसएफ का कहना है कि सीमा पर पकड़े जाने वाले लोगों को एक प्रक्रिया के तहत वापस भेजा जाता है। पहले इन लोगों की पहचान स्पष्ट की जाती है। फिर इनका बेसिक डेटा जुटाया जाता है और बांग्लादेश के अपने समकक्ष अधिकारियों से बात करने के बाद बीएसएफ की ओर से इन्हें वापस भेजा जाता है। सोमवार को ये लोग उत्तर 24 परगना जिले के स्वरूपनगर के पास स्थित हाकिमपुर चेक पोस्ट से निकले हैं। बीएसएफ की 143वीं बटालियन ने इन लोगों के मूवमेंट को देखा तो संदेह होने पर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की। सूत्र के हवाले से लिखा है कि यह इस साल की सबसे बड़ी मूवमेंट है, जब इतनी संख्या में अवैध बांग्लादेशी भारत से निकले हैं। एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होने के बाद बड़े पैमाने पर बांग्लादेशियों को देश छोड़ते देखा जा रहा है। बीएसएफ के अधिकारियों का कहना है कि इन 500 लोगों ने स्वीकार कर लिया है कि वे अवैध रूप से भारत में घुस आए थे। उनके पास कोई वीजा, पासपोर्ट या पहचान पत्र नहीं है।इनमें से कई लोगों ने बताया कि वे पश्चिम बंगाल के बिराती, मध्यमग्राम, राजरहाट, न्यू टाउन और सॉल्ट लेक जैसे इलाकों में घरेलू सहायक, दिहाड़ी मजदूर और निर्माण कार्यों में लगे रहे हैं। ये इन इलाकों में सालों से रह रहे थे।

एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की चूक... अधिकारियों को जवाबदेह माना जाएगा

-कई राज्यों में बीएलओ ने बहिष्कार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) चल रहा है। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने कहा कि एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की चूक होने पर अधिकारियों को जवाबदेह माना जाएगा।

आयोग के एक अधिकारी के अनुसार, उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कोलकाता में समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता कर यह बयान दिया। मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल भी बैठकों में मौजूद थे। बंगाल में 18 नवंबर की शाम 6 बजे तक 7.63 करोड़ गणना फॉर्म बांटे जा चुके हैं। कुल 1.09 करोड़ फॉर्म डिजिटल किए जा चुके हैं।

दूसरी तरफ, केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश में एक-एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) आत्महत्या कर चुके हैं। पश्चिम बंगाल में एक बीएलओ ने आत्महत्या की धमकी दी है। मंगलवार को तमिलनाडु के तंजावुर में एक आंगनवाड़ी सेविका ने जान देने की कोशिश की। इनके परिवारों और अन्य अधिकारियों ने अत्यधिक काम के दबाव का आरोप लगाया है। कई बीएलओ का आरोप है कि काम के लंबे घंटे और दिसंबर तक की डेडलाइन ने उन्हें थककर चूर कर दिया है। कई राज्यों में बीएलओ ने बहिष्कार किया है। आयोग अब अधिकारियों के कार्यभार और जवाबदेही को लेकर सवालों का सामना कर रहा है। चुनाव आयोग ने बताया कि 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 51 करोड़ मतदाताओं में से 50.25 करोड़ से ज्यादा एसआईआर फॉर्म बंट गए हैं। लोग फॉर्म भरने के बाद वापस जमा करते हैं। इसके बाद डिजिटलीकरण का काम होता है। केरल में अब तक सबसे कम, राजस्थान में सर्वाधिक फॉर्म डिजिटलीकरण के लिए वापस आए हैं।

आत्महत्या इस्लाम में हराम और निर्दोष लोगों की हत्या करना बहुत बड़ा पाप

-सुसाइड बॉम्बिंग को 'शहादत' बताने वाले आतंकी उमर को ओवैसी का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बम धमाका करने वाला आतंकी उमर फिदायीन हमलों को मजहब का सबसे अच्छा काम मानता था। उमर के फोन से निकले एक वीडियो में वह इसे इस्लाम में जायज ठहराने की कोशिश करता नजर आया। अब एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने आतंकी के कुतर्कों का जवाब देते हुए कहा कि इस तरह की कायराना हरकत इस्लाम में हराम है। उन्होंने कहा कि यह आतंकवाद के अलावा कुछ नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में लाल किले के पास कार में धमाका करके मासूम लोगों की जान लेने वाले आतंकी का मोबाइल फोन कश्मीर से बरामद किया गया है। घटना से कुछ दिन पहले वह अपने घर गया था और अपने भाई को एक फोन यह कहकर दे आया था कि यदि उसके बारे में कोई जानकारी आए तो इसे पानी में फेंक देना। अब पुलिस ने उसके भाई को हिरासत में लेकर फोन बरामद कर लिया है तो उसमें यह वीडियो सामने आया। वीडियो में उमर नबी फिदायीन हमले को जायज ठहराते हुए कहता है कि इसे गलत समझा जा रहा है और इसके खिलाफ कई तर्क दिए जा रहे हैं, लेकिन सुसाइड बॉम्बिंग शहादत का अभियान है जिसे इस्लाम में भी इसी रूप में बताया है।

ओवैसी ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली ब्लास्ट के आरोपी उमर का एक बिना तारीख वाला वीडियो सामने आया है जिसमें वह सुसाइड बॉम्बिंग को शहादत और गलत समझा गया बताते हुए उचित ठहरा रहा है। ओवैसी ने कहा कि आत्महत्या इस्लाम में हराम है और निर्दोष लोगों की हत्या बहुत ही बड़ा पाप है। इस तरह की हरकत कानून के भी खिलाफ है। इसे किसी भी तरह से गलत नहीं समझा गया है। यह आतंकवाद के अलावा कुछ नहीं है।

एआईएमआईएम नेता ओवैसी ने गृहमंत्री अमित शाह की ओर से किए गए दावे का जिक्र करते हुए पूछा कि इस समूह का पता नहीं लगा पाने के लिए जिम्मेदार कौन है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव के दौरान अमित शाह ने संसद को भरोसा दिलाया था कि पिछले छह महीने में कोई भी स्थानीय कश्मीरी आतंकवादी समूहों में शामिल नहीं हुआ। तब यह समूह कहां से आया? इस समूह का पता नहीं लगा पाए जाने के लिए कौन जिम्मेदार है?

अमेरिका को भारतीयों ने दिखाई औकात, 17 प्रतिशत छात्रों की संख्या हुई कम

नई दिल्ली (एजेंसी)। वीजा के नाम पर अकड़ दिखाने वाले अमेरिका के भारतीय छात्रों ने होश ठिकाने ला दिए है। यहां पढ़ने वाले भारतीय छात्रों की संख्या 17 प्रतिशत घट गई है। इसके वजह से विश्व विद्रयालयों की हालत खराब होने लगी है। बताया जा रहा है कि छात्रों की निरंतर घटती संख्या के कारण कॉलेजों की सीटें खाली होती जा रहीं हैं। अमेरिकी विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने वाले अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में इस वर्ष बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2024 सेशन में नए अंतरराष्ट्रीय छात्रों का नामांकन 17 प्रतिशत कम हो गया है। यह कमी उस समय सामने आई है जब अमेरिका ने छात्र वीजा और इमिग्रेशन नियमों पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे अधिक गिरावट भारतीय छात्रों के नामांकन में दर्ज की गई है। भारत अभी भी अमेरिकी उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए सबसे बड़ा स्रोत है, लेकिन सख्त वीज़ा नीतियों के चलते अब बड़ी संख्या में छात्र पीछे हट रहे हैं। इससे भारतीय छात्रों की भविष्य की योजनाओं पर बड़ा असर हो सकता है, खासकर स्टीम और रिसर्च आधारित प्रोग्राम्स में।

रिपोर्ट इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन (आईआईई) ने 825 अमेरिकी उच्च शिक्षा संस्थानों के आधार पर जारी की है। इंडियन स्टूडेंट्स पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन संस्थानों में गिरावट दर्ज की गई, उनमें से 96 प्रतिशत ने वीजा आवेदन से जुड़े नियम और जटिलताओं को मुख्य कारण बताया, जबकि 68 प्रतिशत ने यात्रा प्रतिबंधों को जिम्मेदार माना। यह स्पष्ट संकेत है कि छात्रों की पहली चिंता अमेरिका का वीज़ा प्रोसेस बन गया है, जो अब लंबा, अनिश्चित और कई बार निराशाजनक साबित हो रहा है।ट्रम्प प्रशासन ने पिछले साल से अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए कई नीतिगत बदलाव लागू किए हैं, जिनमें सोशल मीडिया अकाउंट की जांच, वीज़ा सीमा तय करने के प्रयास और अतिरिक्त जांच प्रक्रियाएं शामिल हैं। कई छात्रों के वीज़ा नवीनीकरण में देरी हुई है, जबकि कुछ मामलों में वीजा रद्द भी किए गए। कई यूनिवर्सिटीज ने बताया कि छात्र वीज़ा प्रक्रिया की देरी और अस्थायी रोक के कारण छात्र समय पर अमेरिका नहीं पहुंच सके। यही वजह है कि कई छात्रों ने विकल्प के तौर पर कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों का रुख किया है।अमेरिका में इस समय लगभग 12 लाख विदेशी छात्र पढ़ते हैं, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था में करीब 55 अरब डॉलर का योगदान करते हैं। ये छात्र आमतौर पर फुल ट्यूशन फीस देते हैं और अधिकतर वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होते। इसलिए विश्वविद्यालयों को भारी आर्थिक झटका लग रहा है, खासकर ऐसे समय में जब घरेलू नामांकन भी घट रहा है और सरकारी फंडिंग में कटौती हो रही है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि 29 प्रतिशत संस्थानों ने नए दाखिले में वृद्धि देखी है, जबकि 14प्रतिशत में स्थिति स्थिर रही। लेकिन 57 प्रतिशत संस्थानों में गिरावट दर्ज की गई, यानी कुल तस्वीर अभी भी चिंताजनक है।

संपादकीय

नाबालिगों के अपराध

हाल ही में, दिल्ली के विजय विहार इलाके में लूट का विरोध करने वाले एक ऑटो चालक की निर्मम हत्या में पांच नाबालिगों की गिरफ्तारी गंभीर चिंता बढ़ाने वाली है। देश में नाबालिगों के बालिगों की तर्ज पर गंभीर अपराधों को अंजाम देने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। वहीं दिल्ली की घटना में गिरफ्तार किशोरों की स्वीकारोक्ति डराने वाली है कि वे नशे के आदी हैं और पैसे जुटाने के लिये लूटपाट जैसे अपराधों में लिप्त रहते हैं। यह घटना हमारे समाज में पनप रही विकृतियों की ओर इशारा कर रही है। साथ ही यह भी संकेत कि अब वक्त आ गया है कि किशोर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कानूनों के प्रावधान हों। इसकी वजह यह है कि किशोरों को अपराध करने के बाद सामान्य जेलों में रखने के बजाय बाल सुधार गृहों में भेज दिया जाता है। लेकिन बाल सुधार गृहों में रहने के दौरान भी ऐसे अपराधी किशोरों में बड़ा बदलाव नजर नहीं आता। अक्सर देखा जाता है कि बाल सुधार गृहों में रहने की सीमित अवधि के बाद कई किशोर फिर अपराधों की दुनिया में उतर जाते हैं। समाज विज्ञानियों का मानना है कि किशोर अपराधों को लेकर कानून के अस्पष्ट और लचर होने की वजह से भी दोषियों को दंडित नहीं किया जा सकता। अक्सर कहा जाता है कि नाबालिगों की सजा के मामले में अभियुक्त की उम्र को घटा दिया जाए। दरअसल, बदलते परिवेश में समय से पहले किशोरों में वयस्कों की नकारात्मक प्रवृत्तियां पनपने लगी हैं। जिसके चलते वे बड़ों के जैसे अपराध तो करते हैं। लेकिन उन्हें उस अनुपात में सजा नहीं दी जा सकती। वैसे यह भी हकीकत है कि किशोरों के सामने लंबा भविष्य होता है। यदि परिस्थितिवश या मजबूरी में वे कोई अपराध करते हैं तो उन्हें सुधरने का मौका दिया जाना चाहिए। वैसे भी दंड का अंतिम उद्देश्य व्यक्ति में सुधार ही होता है। दरअसल, इस तथ्य पर भी विचार करने की जरूरत है कि यदि किशोर सजा काटने के बाद भी लगातार अपराध की दुनिया में सक्रिय रहते हैं तो उसके लिये दंड के सख्त प्रावधान होने चाहिए। वहीं, अपराध के मूल में आर्थिक विषमताएं भी हैं, जिसके चलते वे पढ़-लिख नहीं पाते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में तमाम सामाजिक विद्रूपताएं भी किशोर मन में नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। जैसेकि दिल्ली की घटना में लिप्त किशोरों ने स्वीकारा कि वे नशे के आदी हैं, यह घटना हमारे समाज में नशे के नासूर से उपजे संकट की ओर इशारा करती है। ऐसे में नशे पर अंकुश के साथ ही उन सामाजिक विसंगतियों पर नजर रखने की जरूरत है जो किशोर मन के भटकाव को जन्म देती हैं। दूसरा संकट भारतीय समाज में जीवन मूल्यों का तेजी से होता पराभव भी है। किशोरों को नैतिक शिक्षा का पाठ सही ढंग से न स्कूलों में मिल पा रहा है और न ही घरों में। इस संकट का एक बड़ा पहलू इंटरनेट पर जहरीली व अश्लील सामग्री की प्रचुरता भी है। अक्सर किशोरों व वयस्कों के अपराधों के कारण जानने पर पता चला कि उन्होंने इंटरनेट पर अश्लील सामग्री देखने के बाद यौन हिंसा को अंजाम दिया। ऐसे में बच्चों को संस्कार स्कूल और घर के बजाय मोबाइल से मिल रहे हैं। इंटरनेट पर प्रसारित आपत्तिजनक सामग्री को कौन और किस उद्देश्य से डाल रहा है, कहना कठिन है। लेकिन इतना तय है कि सोशल मीडिया व इंटरनेट से जुड़े विभिन्न माध्यमों में परोसी जा रही विषैली सामग्री बाल मन पर बुरा असर डाल रही है। ऐसे में नशा, अश्लीलता और अपराध उन्मुख कार्यक्रम किशोरों को अपराध की गलियों में गुजरने के लिए उकसा रहे हैं। बहरहाल, अब समय आ गया है कि नीति-नियंताओं को विचार करना चाहिए कि हत्या-बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों में लिप्त किशोरों के लिये कैसे कानून बनें। निश्चय ही कानून का मकसद किसी अपराधी में सुधार ही होना चाहिए।

चिंतन-मनन

कुसंग का फल

प्रतिदिन कुछ बगुले आकर एक किसान के खेत की फसल बर्बाद कर जाया करते थे। इसे देखकर किसान ने उन बगुलों को पकड़ने के लिए खेत में जाल बिछा कर रख दिया। बाद में उसने जाकर देखा तो बहुत से बगुले उसके जाल में फंसे हुए थे और उनके साथ ही एक सारस भी फंसा हुआ था।

सारस ने किसान से कहा, 'भाई किसान, मैं बगुला नहीं हूं। मैंने तुम्हारी फसल बर्बाद नहीं की है। मुझे छोड़ दो। तुम विचार करके देखो कि मेरी कोई गलती नहीं है। जितने भी पक्षी हैं, मैं उन सबकी अपेक्षा अधिक धर्म परायण हूं। मैं कभी किसी को नुक्सान नहीं पहुंचाता। मैं अपने वृद्ध माता-पिता का अतीव सम्मान करता हूं और विभिन्न स्थानों में जाकर प्राण-प्रण से उनका पालन-पोषण करता हूं।

इस पर किसान बोला, 'सुनो सारस, तुमने जो बातें कहीं, वे सब ठीक हैं, उन पर मुझे जरा भी संदेह नहीं है। परन्तु चूंकि तुम फसल बर्बाद करने वालों के साथ पकड़े गए हो इसलिए तुम्हें भी उन्हीं के साथ सजा भोगनी होगी क्योंकि कुसंग का फल बुरा होता है'

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

हिड़मा का अंत नक्सल आंदोलन के ताबूत में आखिरी कील, देश को लाल आतंक से मुक्ति दिलाने के करीब हैं अमित शाह

नीरज कुमार दुबे

भारत के आंतरिक सुरक्षा तंत्र के लिए 2025 एक निर्णायक मोड़ साबित हो रहा है। CPI (माओइस्ट) के सबसे क्रूर, सबसे चालाक और सबसे कुख्यात सैन्य कमांडर मदवि हिड़मा का खात्मा केवल एक ऑपरेशनल सफलता नहीं, यह एक बहुत बड़ा संदेश भी है। यह संदेश है उस अंतिम लड़ाई का, जिसकी समय सीमा खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तय की थी। हिड़मा का अंत 30 नवंबर 2025 की डेडलाइन से ठीक 12 दिन पहले हुआ है। यह डेडलाइन अमित शाह ने सुरक्षा बलों को देते हुए कहा था कि हिड़मा का आतंक उसी दिन तक समाप्त होना चाहिए। हिड़मा की मौत ने यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि देश अब उस विजय रेखा के बेहद करीब है, जिसे गृह मंत्री ने 31 मार्च 2026 तक माओवाद को पूरी तरह समाप्त करने के रूप में परिभाषित किया था।

हम आपको याद दिला दें कि अमित शाह ने पिछले वर्ष घोषणा की थी कि माओवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने का समय आ चुका है। उन्होंने बड़ी समय-सीमा देने के साथ-साथ सुरक्षा एजेंसियों को छोटे-छोटे लक्ष्य (milestones) भी सौंपे थे। जैसे- कहीं किसी इलाके को माओवादियों से पूरी तरह मुक्त कराना, कहीं किसी शीर्ष माओवादी नेता को समर्पण के लिए मजबूर करना और कहीं ऑपरेशनों के माध्यम से संगठन की कमर तोड़ देना। उसी रणनीति का सबसे अहम माइलस्टोन था हिड़मा का निपटारा, जिस पर अमित शाह ने हाल की समीक्षा बैठकों में निजी तौर पर जोर दिया था। हिड़मा का अंत उसी जंगल में हुआ, जहाँ से उसका आतंक शुरू हुआ था।

आज यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अमित शाह की सख्त, निरंतर और परिणाम-उन्मुख नीतियों ने सुरक्षा बलों में वह गति भर दी, जिसकी भारत को वर्षों से आवश्यकता थी। माओवादी हिंसा जिस रफ्तार से सिमट रही है, वह उनकी रणनीति का प्रत्यक्ष परिणाम है।

कौन था हिड़मा और क्यों था इतना महत्वपूर्ण यदि इस सवाल पर गौर करें तो आपको बता दें कि मदवि हिड़मा माओवादियों की केंद्रीय समिति का सबसे युवा सदस्य था, लेकिन उसकी कुख्याति, क्रूरता और क्षमताएँ उसे संगठन का सबसे खतरनाक सैन्य चेहरा बनाती थीं। वह PLGA की कुख्यात बटालियन नंबर 1 का कमांडर रहा था। वह बस्तर का एकमात्र आदिवासी नेता था जिसे माओवादियों की केंद्रीय समिति में जगह दी गई। छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा में कई बड़े हमले उसी की योजना का हिस्सा थे। वर्षों से सुरक्षा बल उसकी तलाश में थे, लेकिन वह हमेशा बच निकलता था। पिछले दिनों छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उसकी माँ से मिलकर समर्पण की अपील भी करवाई, पर वह तैयार नहीं हुआ। उसकी मृत्यु पर बस्तर रेंज के IG सुंदरराज पी का यह बयान बिल्कुल सटीक है कि 'यह वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में ऐतिहासिक माइलस्टोन है।' हम आपको बता दें कि केंद्रीय समिति की शक्ति अब घटकर केवल 7 सदस्यों पर आ गई है। इनमें भी गणपति अस्सी के करीब है, मिसिर बेसरा झारखंड के कुछ क्षेत्रों तक सीमित है और संगठन का कैडर आधार तेजी से खत्म हो रहा है। सक्रिय नेताओं में देवजी, संग्राम, गणेश उइके, रामदर और दो क्षेत्रीय कमांडर– बरसे देवा व पप्पा राव ही बचे हैं। अनुमान है कि 100-150 से ज्यादा सशस्त्र माओवादी कैडर अब पूरे देश में नहीं बचे हैं। जो बचे हैं वह भी कुछ आरक्षित वनों और सीमावर्ती इलाकों तक सिमटे हुए हैं।

देखा जाये तो 2025 में माओवादियों को जो सबसे बड़ी चोटें लगी हैं, वे अभूतपूर्व हैं। पहले ढइ नेता नंबाला केसव राव मारा गया फिर सोनू उर्फ वेणुगोपाल राव ने आत्मसमर्पण किया। इसके अलावा, कई केंद्रीय समिति सदस्य मारे गए या समर्पण कर चुके हैं। सत्यानारायण रेड्डी, कट्टा रामचंद्र रेड्डी, चेलपति, रवि, विवेक यादव, थेंतु लक्ष्मी, सुजाता, चंद्रन्ना और रुपेश जैसे वरिष्ठ कैडर ने हथियार डाल दिए हैं। यह परिदृश्य बताता है कि माओवादी संगठन अंतिम साँसें गिन रहे हैं।

देखा जाये तो हिड़मा का खात्मा उन हजारों जवानों के संघर्ष, बलिदान और धैर्य का प्रतिफल है, जो वर्षों से नक्सल प्रभावित इलाकों में लड़ाई लड़ रहे हैं। यह उस केंद्रीय नेतृत्व का भी प्रमाण है, जिसने लक्ष्य स्पष्ट किए, समयसीमाएँ तय कीं और परिणाम की मांग की। आज भारत पहली बार उस बिंदु पर खड़ा है जहाँ माओवादी संरचना बिखरी हुई है, उसकी केंद्रीय समिति कमजोर है, टॉप कमांडर समाप्त हो गये या आत्मसमर्पण कर रहे हैं, कैडर संख्या सबसे निचले स्तर पर है और जनता का सहयोग सुरक्षा बलों की ओर झुक चुका है।

बहरहाल, भारत दशकों से इस लाल आतंक से जूझ रहा था। अब पहली बार, देश उस ऐतिहासिक क्षण के बेहद करीब है जहाँ माओवादी हिंसा केवल स्मृति बन सकती है। यह उपलब्धि किसी एक ऑपरेशन की नहीं, यह राजनीतिक इच्छाशक्ति, स्पष्ट रोडमैप और अमित शाह के नेतृत्व वाली कठोर, लक्ष्य-उन्मुख रणनीति की देन है। यदि वर्तमान गति बनी रहती है तो 31 मार्च 2026 की वह तारीख– जिसे अमित शाह ने नक्सलवाद की अंतिम तिथि कहा है वह सिर्फ कागजी लक्ष्य नहीं बल्कि भारत की सुरक्षा इतिहास का निर्णायक मोड़ बन सकती है।

प्रदूषण की कीमतः क्या भारत को चाहिए एक व्यापक 'प्रदूषण कर'?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ तेज आर्थिक विकास और बिगड़ते पर्यावरण के संकट के बीच संतुलन बनाना अत्यंत कठिन चुनौती बन गया है। शहरों की हवा दिन-प्रतिदिन जहरीली होती जा रही है, नदियाँ औद्योगिक कचरे से भर रही हैं, भूमिगत जल स्तर घट रहा है, ठोस कचरे के पहाड़ महानगरों की पहचान बनते जा रहे हैं, वहीं जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कृषि, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा है। ऐसी स्थिति में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या अब भारत को प्रदूषण फैलाने वालों पर प्रत्यक्ष आर्थिक दंड लगाने-अर्थात् विस्तृत ह्लप्रदूषण करह्व लागू करने-की आवश्यकता है?

प्रदूषण कर का विचार नया नहीं, परन्तु इसकी आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक है। अर्थशास्त्र में यह माना जाता है कि जब कोई उद्योग, वाहन या गतिविधि प्रदूषण फैलाती है तो उसका दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतना पड़ता है, न कि केवल उसे जो प्रदूषण फैला रहा है। यह बाजार व्यवस्था की वह गंभीर विफलता है जिसे ह्लबाह्य लागतह्व कहा जाता है-अर्थात् नुकसान तो समाज को होता है, पर उसका मूल्य न तो वस्तु की कीमत में जुड़ता है, न ही प्रदूषण फैलाने वाला उसे भरता है। ऐसे में ह्लप्रदूषण करह्व इसी असंतुलन को सुधारने का प्रयास करता है, जहाँ जो जितना अधिक प्रदूषण फैलाए, वह उतनी अधिक आर्थिक कीमत चुकाए।

भारत में कोयले पर लगाया गया 'स्वच्छ ऊर्जा उपकर' इसका एक प्रारंभिक स्वरूप था, परंतु आज देश में वायु, जल, ध्वनि, ठोस कचरा और औद्योगिक उत्सर्जन का ऐसा मिश्रित संकट है कि केवल किसी एक क्षेत्र पर कर लगाना पर्याप्त नहीं। आवश्यकता एक सर्वसमावेशी और वैज्ञानिक पद्धति से तैयार प्रदूषण कर की है, जो प्रदूषण को कम करने और स्वच्छ विकल्पों को बढ़ावा देने में सहायक हो। प्रदूषण कर का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह प्रदूषण को महँगा बनाता है और स्वच्छता को सस्ता। जब किसी उद्योग को प्रति इकाई उत्सर्जन पर कर देना पड़ेगा, तो वह स्वाभाविक रूप से ऐसी तकनीक अपनाने की ओर अग्रसर होगा जो कम प्रदूषण करे। यूरोप जैसे क्षेत्रों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट दिखाई देती है जहाँ कार्बन-आधारित दंड के बाद ऊर्जा-संरक्षण और हरित तकनीक का उपयोग अत्यधिक बढ़ा। भारत में भी यह परिवर्तन संभव है, बशर्ते नीति दीर्घकालिक, पारदर्शी और लक्ष्य-उन्मुख हो। दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भारत को आने वाले वर्षों में पर्यावरण-रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा पर बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता होगी। नदियों की सफाई, स्वच्छ परिवहन व्यवस्था, नवीकरणीय ऊर्जा, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, ठोस कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन तथा हरित भवनों के विकास पर अत्यधिक वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होगी। ऐसे में प्रदूषण कर एक स्थायी और अनुमानित राजस्व स्रोत बन सकता है, जिसे एक स्वतंत्र ह्लहरित निधिह्व के माध्यम से केवल पर्यावरण संरक्षण पर व्यय किया जा सकता है।

वैश्विक स्तर पर भी प्रदूषण कर का महत्व बढ़ रहा है। कई विकसित देश अब उन आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क लगा रहे हैं जो अधिक प्रदूषणकारी स्रोतों से बनती हैं। यदि भारत घरेलू स्तर पर प्रदूषण पर उचित कर लागू करता है, तो भारतीय निर्यातकों को विदेशी बाजारों में अतिरिक्त शुल्क से राहत मिल सकती है। इस प्रकार प्रदूषण कर केवल पर्यावरण-हित में नहीं, बल्कि भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा की रक्षा में भी सहायक सिद्ध हो सकता है।

परंतु इन सबके बीच सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि क्या प्रदूषण कर गरीबों पर भारी पड़ सकता है? यह चिंता बिल्कुल वास्तविक है। यदि ईंधन और बिजली की लागत बढ़ेगी, तो उसके साथ ही परिवहन, खाद्य पदार्थ और आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव निम्न-आय वर्ग पर पड़ता है, जिनके पास विकल्प सीमित होते हैं। इसलिए प्रदूषण कर को न्यायपूर्ण बनाने के लिए यह अनिवार्य होगा कि निम्न-आय वाले परिवारों को प्रत्यक्ष नकद सहायता, ऊर्जा सब्सिडी और रसोई गैस जैसी आवश्यकताओं पर राहत दी जाए। उद्योग जगत की चिंताएँ भी कम नहीं। विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग ऊर्जा-प्रधान होते हैं और किसी भी अतिरिक्त कर का प्रभाव उनकी लागत पर पड़ता है। अतः प्रदूषण कर को चरणबद्ध ढंग से लागू करना होगा-पहले बड़े उद्योगों पर, फिर धीरे-धीरे छोटे उद्योगों को तकनीकी और वित्तीय सहायता के साथ इस दायरे में लाना होगा। हरित मशीनरी पर अनुदान, ब्याज रहित ऋण, और तकनीकी उन्नयन के लिए मार्गदर्शन इस परिवर्तन को सुगम बना सकते हैं। भारत की प्रशासनिक क्षमता भी एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रदूषण का सटीक मापन, डेटा की विश्वसनीयता और निगरानी तंत्र की पारदर्शिता अत्यंत आवश्यक होगी। छोटे उद्योगों और गैर-प्रमाणित स्रोतों की निगरानी आज भी चुनौतीपूर्ण है। यदि उत्सर्जन मापन ही विश्वसनीय न हो, तो कर प्रणाली पर विश्वास नहीं किया जा सकता। इसलिए भारत को आधुनिक सेंसर-तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी, डिजिटल उत्सर्जन-पंजीकरण तथा रियल-टाइम निगरानी प्रणाली को मजबूत करना होगा। इसके अतिरिक्त, प्रदूषण कर की सफलता इस बात पर भी निर्भर करेगी कि सरकार इसके राजस्व का उपयोग कहाँ करती है। यदि यह धन सामान्य बजट में विलीन हो गया, तो जनता में अविश्वास बढ़ेगा और नीति का उद्देश्य कमजोर पड़ेगा। इसके लिए एक स्वतंत्र ह्लहरित कोषह्व का गठन आवश्यक है, जो केवल प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छ ऊर्जा, हरित परिवहन और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों पर व्यय हो तथा जिसकी वार्षिक लेखा-परीक्षा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हो।

राजनीतिक दृष्टि से यह एक साहसिक कदम होगा। किसी भी प्रकार की मूल्य-वृद्धि जनता के बीच असंतोष उत्पन्न कर सकती है। परंतु यह भी सत्य है कि पर्यावरणीय संकट अब इतना गंभीर हो चुका है कि उससे निपटने के लिए कठोर, दीर्घकालिक और दूरदर्शी आर्थिक सुधार आवश्यक हैं। भारत की युवा पीढ़ी सुरक्षित जल, स्वच्छ वायु और स्वस्थ जीवन की मांग कर रही है। इस मांग को नजरअंदाज करना अब संभव नहीं।

अंततः यह कहा जा सकता है कि प्रदूषण कर भारत के लिए केवल राजस्व-संग्रह का साधन नहीं, बल्कि एक व्यापक हरित परिवर्तन की दिशा में आवश्यक कदम है। इसे न्यायपूर्ण, पारदर्शी, चरणबद्ध और वैज्ञानिक आधार पर लागू करने से भारत न केवल प्रदूषण कम कर पाएगा, बल्कि अपने विकास मॉडल को भी टिकाऊ, स्वस्थ और पर्यावरण-सम्मत बना सकेगा। यदि इसे सही नीतिगत ढंग से लागू किया गया, तो यह भारत के इतिहास में वह मोड़ साबित हो सकता है जहाँ देश ने आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संरक्षण को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि सहयोगी सिद्ध किया।

बिहार जीत से उभरी नई उम्मीदें और गहरी चुनौतियां

बिहार का यह चुनाव केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं था, बल्कि लोकतंत्र की चेतना, जनता के विश्वास और नेतृत्व की विश्वसनीयता को परखने का अवसर भी था। परिणाम जिस तरह सामने आए, उन्होंने न केवल बिहार बल्कि पूरे देश एवं दुनिया को चौका दिया। यह जीत केवल गठबंधन की सामूहिक ताकत की नहीं, बल्कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में वर्षों से स्थापित सुशासन मॉडल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति जनता के अटूट भरोसे का परिणाम है। बिहार की महिलाओं ने इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाई है-उनकी उम्मीदें, उनका साहस और उनका भरोसा इस परिणाम के मूल में खड़ा दिखाई देता है। बिहार में इतने एकतरफा नतीजे की उम्मीद किसी को नहीं रही होगी। चुनाव प्रचार के दौरान जो लड़ाई टक्कर की दिख रही थी, वह आखिर में केवल भ्रम साबित हुई। जनता ने न महागठबंधन के बदलाव के नारे पर यकीन किया और न ही प्रशांत किशोर की अलग राजनीति पर भरोसा जताया, बल्कि खुद को परिपक्व एवं जागरूक प्रदर्शित करते हुए मूल्यों एवं विकास के मानकों पर मतदान दिया। आंकड़ों का विश्लेषण होता रहेगा, लेकिन मोटे तौर पर यह परिणाम कई संदेश देता है कि अब बिहार जंगलराज नहीं चाहता, विकास की नई सुबह देखना चाहता है, एसआईआर को वोट चोरी के रूप में दी गयीप्रस्तुति उसे स्वीकार्य नहीं हुई, वह अतीत के भ्रष्ट शासन से मुक्ति के लिये अतीत की त्रासद यादों एवं भविष्य के सुनहरे भविष्य के बीच चयन करते हुए लालू-राबड़ी यादव के शासनकाल की की काली छाया नहीं चाहता। भले ही तेजस्वी यादव पूरे समय इसी नैरेटिव को तोड़ने में लगे रहे कि वक्त बदल चुका है और वह दौर अब नहीं लौटेगा। उन्होंने उल्टे अपराध पर नीतीश सरकार को घेरने की कोशिश की, पर सफल नहीं रहे।

नीतीश कुमार के लिए 20 बरसों में यह पहला विधानसभा चुनाव था, जहां वह गठबंधन का तो चेहरा थे, पर सीएम पद के उम्मीदवार नहीं थे। उनकी छवि को धुंधलाने एवं उन्हें बीमार घोषित करने के भी पूरे प्रयत्न हुए लेकिन, परिणाम ने साबित किया है कि नीतीश अब भी बिहार के सबसे बड़े राजनीतिक प्रतीक एवं सुशासन-पुरुष हैं। वह अब तक नौ बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं, कई बार उन्होंने पाला बदला, लेकिन जनता का यकीन उन पर बना हुआ है। इसकी बड़ी वजह उनकी बेदाग छवि भी है। लेकिन इस बार उनकी चुनौतियां भी बड़ी है। वैसे लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि जीत जितनी बड़ी होती है, चुनौतियां भी उतनी ही व्यापक हो जाती हैं। बिहार में एनडीए की इस ऐतिहासिक विजय के बाद जिस दौर की शुरूआत हो रही है, वह उत्साह से कहीं अधिक जिम्मेदारी का दौर है। नीतीश कुमार एक बार फिर मुख्यमंत्री बन रहे हैं, यह अपने-आप में निरंतरता, स्थिरता और सुशासन की अपेक्षाओं को नयी ऊँचाई देता है। परंतु अब उनके सामने जो प्रश्न खड़े हैं, वे कहीं अधिक गहरे, जटिल और चुनौतीभरे हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की करारी हार केवल एक राजनीतिक पराजय नहीं, बल्कि परिवारवादी राजनीति के प्रति जनता की निर्णायक और स्पष्ट निष्पत्ति है। मतदाताओं ने यह संदेश दो टूक दिया है कि राजनीति किसी परिवार, वंश या व्यक्तिगत प्रभुत्व की जागीर नहीं हो सकती। खासकर क्षेत्रीय दलों में फैला वंशवाद, व्यक्तिवाद और उत्तराधिकार की अनिवार्य राजनीति जनता को लगातार विचलित करती रही है। परिणामों ने यह उजागर कर दिया कि अब मतदाता सिर्फ चेहरे और परिवारों के मोहजाल में नहीं फँसना चाहते, बल्कि वे विकास, पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन को प्राथमिकता देने लगे हैं। महागठबंधन की हार उसी व्यापक जनभावना का परिणाम है, जिसमें जनता ने यह तय कर दिया कि लोकतंत्र में जनता की सत्ता सर्वोपरि है, किसी भी राजनीतिक खानदान की नहीं।

बिहार की सबसे बड़ी चुनौती रोजगार की है। वर्षों से यह राज्य बेरोजगारी के दर्द से जूझता रहा है। करोड़ों युवाओं की आंखों में नौकरी, अवसर और सुरक्षित भविष्य का सपना है। चुनावी वादे जिस उत्तेजना के साथ किए जाते हैं, उन्हें व्यवस्थित नीति, धैर्य और राजनीतिक ईमानदारी से लागू करना किसी भी सरकार के लिए आसान कार्य नहीं होता। लेकिन जनता ने इस बार उम्मीदों की जो गठरी सौंपी है, वह स्पष्ट संकेत है कि अब पूरा बिहार ठोस काम चाहता है, खोखले वादे नहीं। दूसरी बड़ी चुनौती कानून-व्यवस्था की है। सुशासन का मॉडल तभी सार्थक है जब आम नागरिक के जीवन में सुरक्षा की ठोस अनुभूति हो। अपराध, राजनीतिक संरक्षण, दंगा-फसाद और अराजकता किसी भी समाज की प्रगति को रोकते हैं। नीतीश कुमार से जनता की अपेक्षा है कि वे एक बार फिर वही कठोरता, वही व्यवस्था और वही संतुलित रणनीति लेकर आएंगे, जिसने कभी 'जंगलराज' को समाप्त कर सुशासन का नया इतिहास लिखा था। महिलाओं से किए गए वादे भी अब सरकार की प्राथमिक कसौटी बनेंगे। आधी आबादी ने जिस उत्साह और भरोसे के साथ एनडीए को पुनः सशक्त किया है, यह सरकार के लिए प्रेरणा के साथ-साथ उत्तरदायित्व भी है। सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक सम्मान-ये पांच मुद्दे बिहार की महिलाओं की असली जरूरत हैं, और चुनावी वादों का मूल्यांकन भी अब इन्हीं पर होगा।

बिहार की अर्थव्यवस्था की मजबूती केंद्र सरकार के सहयोग पर भी निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और उनके विकास-एजेंडे ने इस चुनाव को निर्णायक रूप दिया। जब केंद्र और राज्य की नीतियों में तालमेल होगा, तब ही आर्थिक सुधार, निवेश, उद्योग, रोजगार-सृजन और आधारभूत संरचना के बड़े सपने साकार होंगे। बिहार को अब केवल वित्तीय सहायता की ही नहीं, बल्कि विकास की स्थायी संरचना की जरूरत है, जिससे आने वाली पीढ़ियां लाभान्वित हों। लेकिन इन सबके बीच एक बड़ा प्रश्न मन को झकझोरता है-लोकतंत्र में चुनाव कब तक केवल 'सौदेबाजी' बने रहेंगे? कब तक वादों की भीड़, लुभावने नारों और जातीय समीकरणों के आधार पर जनता के विश्वास की खरीद-फरोख्त चलती रहेगी? आखिर लोकतंत्र की स्वस्थ दिशा क्या हो? यह चुनाव परिणाम हमें इस सवाल के सामने खड़ा करता है कि राजनीति को फिर से मूल्यों, दृष्टि, दीर्घकालिक योजनाओं और नैतिकता की ओर लौटना होगा। लोकतंत्र की प्रतिष्ठा तभी बचेगी जब राजनीति भविष्यदर्शी बने, जब चुनाव उत्सव कम और उत्तरदायित्व अधिक हों।

बिहार, जिसे कभी पिछड़ेपन, गरीबी, पलायन और अपराध का प्रदेश कहा जाता था, आज भारतीय लोकतंत्र का एक जीवंत प्रयोगशाला बन गया है। यह प्रदेश भविष्य में किस दिशा में जाएगा, यह केवल सत्ता की नीतियों पर ही नहीं, बल्कि जनता की जागरूकता, मीडिया की ईमानदारी और राजनीतिक दलों की नैतिक प्रतिबद्धता पर भी निर्भर करेगा। आज बिहार के पास अवसर है कि वह खुद को एक प्रगतिशील, शिक्षा-संपन्न, रोजगार-समृद्ध, सुरक्षित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में स्थापित करे। बिहार की यह जीत इतिहास में दर्ज होगी-सिर्फ इसलिए नहीं कि परिणाम अप्रत्याशित थे, बल्कि इसलिए कि इसने एक नए अध्याय के लिखे जाने की उम्मीद जगाई है। अब समय है कि यह उम्मीद हकीकत में बदल सके। राजनीति तभी सार्थक होगी जब यह जनता के जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम बने और बिहार इस दिशा में देश के लिए एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत कर सके।

यातायात महा के अंतर्गत सार्वजनिक वाहन चालकों हेतु निशुल्क कैंप का किया गया आयोजन

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने फीता काटकर क्या कैंप का शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- यातायात माह के अवसर पर बुधवार को सुबह 11:00 बजे, विशाल मेगा मार्ट, रोडवेज बस अड्डा अमरोहा पर यातायात पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के निर्देशन में विशेष रूप से स्कूल बसों के ड्राइवरों, टैम्पो चालकों, टैक्सी चालकों, ई-रिक्शा संचालकों तथा अन्य सार्वजनिक परिवहन चालकों के लिए एक निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 150 वाहन चालकों का निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया । शिविर का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि स्कूल बस ड्राइवर बच्चों की सुरक्षा की प्रथम कड़ी होते हैं, इसलिए उनका स्वास्थ्य, सतर्कता एवं नियमों का पालन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित ड्राइविंग के लिए केवल वाहन चलाने का कौशल पर्याप्त नहीं, बल्कि चालक का उत्तम स्वास्थ्य, स्पष्ट दृष्टि, धैर्य और जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार भी उतना ही आवश्यक है। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों-डॉ0 प्रशांत कुमार सारस्वत (नेत्र विशेषज्ञ) मय टीम के उपस्थित स्कूल बस चालकों एवं अन्य वाहन चालकों की नेत्र जांच, दृष्टि क्षमता परीक्षण, ब्लड प्रेशर, शुगर एवं सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कई चालकों को दृष्टि सुधारक सुझाव, स्वास्थ्य संबंधी परामर्श तथा सुरक्षित ड्राइविंग से जुड़े महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश भी दिए गए कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी चालकों को यातायात नियमों के पालन के महत्व के बारे में विस्तार से जागरूक किया। उन्होंने हेलमेट व सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, ओवरस्पीडिंग से बचने, मोबाइल फोन का उपयोग न करने, नाबालिगों को वाहन न सौंपने, वाहन फिटनेस व दस्तावेजों की नियमित जांच, तथा भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाने जैसी सुरक्षा आवश्यकताओं पर विशेष बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि स्कूल बस चालक बच्चों की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हैं, अतः उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता समाज की सामूहिक सुरक्षा के लिए अनिवार्य है। इस दौरान एआरटीओ महेश चंद्र शर्मा, एआरएम रोडवेज , सडक सुरक्षा समिति सदस्य अनील कुमार जग्गा, प्रभारी यातायात अनुज मलिक आदि पुलिसकर्मी मौजूद रहे ।

किसान गोष्ठी के दौरान पी एम मोदी का लाइव प्रसारण,पीएम किसान निधि की 21वीं किस्त जारी

मंडी धनोरा/अमरोहा (सब का सपना):- ब्लॉक सभागार में बुधवार को किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मौजूद किसानों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण शांतिपूर्ण तरीके से देखा। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी करने का सीधा प्रसारण दिखाया गया। बुधवार को प्रधानमंत्री ने देश भर के पात्र किसानों के खातों में ड्ड2000 की धनराशि सीधे बैंक ट्रांसफर के माध्यम से जारी की। कृषि विभाग द्वारा ब्लॉक परिसर में यह गोष्ठी विशेष रूप से किसानों को इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाने के लिए आयोजित की गई थी। गोष्ठी में उपस्थित सभी किसानों ने बड़ी स्क्रीन पर इस कार्यक्रम को बड़े ही शांतिपूर्ण तरीके से देखा। इस अवसर पर भरत सिंह, जयवीर सिंह ,धर्मवीर सिंह, धर्मेंद्र सिंह ,राजीव यादव सहित दर्जनों से अधिक अन्य किस भी मौजूद रहे।

मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिसकर्मियों के साथ समीक्षा गोष्ठी की गई आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया द्वारा पुलिस कार्यालय सभागार में मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत जनपद के समस्त थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्रों में नियुक्त प्रभारियों एवं पुलिसकर्मियों के साथ समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में मिशन शक्ति केन्द्रों के संचालन, उनकी संरचना, उद्देश्य तथा निर्धारित दायित्वों पर विस्तृत चर्चा की गई और प्रभारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया कि प्रत्येक केन्द्र महिला सुरक्षा एवं सहायता के मूल उद्देश्य के अनुरूप प्रभावी रूप से कार्य करता रहे। अपर पुलिस अधीक्षक ने मिशन शक्ति केन्द्रों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि महिला अपराधों से संबंधित प्रकरणों में त्वरित, संवेदनशील एवं प्रभावी कार्रवाई ही महिलाओं में विश्वास, सुरक्षा और न्याय की भावना को मजबूत बनाती है। इस दौरान सभी केन्द्रों द्वारा अब तक किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई तथा आवश्यकतानुसार सुधार हेतु दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक मिशन शक्ति केन्द्र पीड़ित महिलाओं के लिए सहज, सुरक्षित और भरोसेमंद वातावरण उपलब्ध कराए, जहां उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जा सके। समीक्षा गोष्ठी के अंत में सभी प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि मिशन शक्ति के उद्देश्यों को धरातल पर और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करते हुए महिलाओं के हित में सकारात्मक परिणाम सुनिश्चित किए जाएं।

मेले के दौरान गंगा में डूबकर हुई किशोरी की मौत के मामले में युवक पर मुकदमा दर्ज

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- गंगा धाम तिगरी में लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा के मेले पर एक किशोरी की गंगा में डूबकर मौत हो गई थी। जिसका शव 17 नवंबर को गंगा में तैरता हुआ मिला था। इस मामले में पुलिस ने गांव के ही रहने वाले पिंटू पाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। आरोप है कि उसकी लापरवाही के कारण किशोरी गंगा में डूबी थी। बता दें कि डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव वाजिदपुर निवासी मंजीत ने थाने में यह रिपोर्ट दर्ज कराई है। एफ आई आर के अनुसार यह अपने जीजा हुकम सिंह, बहनों सोनम, पिंकी, आकांक्षा ,मानसी, नेहा और चचेरे भाई अमित के साथ गंगा में स्नान कर रहा था। मनजीत ने आरोप लगाया है कि इसी दौरान गांव निवासी पिंटू पाल वहां आया उसने मजाक में सोनम के मुंह पर रेता फेंका जो उसकी आंखों में चला गया सोनम मुंह धोने लगी और पिंटू पाल भी उसके पास चला गया इसी बीच सोनम गहरे पानी में डूबने लगी, उसने पिंटू से खुद को बचाने के लिए कहा लेकिन आरोप है कि पिंटू उसे बचाने की बजाय छोड़कर भाग आया। मनजीत का आरोप है कि पिंटू की लापरवाही के कारण ही सोनम गंगा में डूबी थी। पुलिस ने मंजीत की तहरीर पर पिंटू पाल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सीओ अंजलि कटारिया ने बताया है कि केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है और आगे की कार्यवाही की जाएगी।

त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का राज्य निर्वाचन आयोग उ0प्र0 द्वारा वृहद् पुनरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) निधि गुप्ता वत्स ने जानकारी देते हुये कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग, उ०प्र०, लखनऊ की संशोधित अधिसूचना द्वारा दिये गये निदेशों के क्रम में संशोधित करते हुए जनपद अमरोहा में त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली का राज्य निर्वाचन आयोग उ०प्र० द्वारा वृहद् पुनरीक्षण किया जायेगा। जिसमें किसी ग्राम पंचायत के आंशिक भाग के किसी अन्य ग्राम पंचायत अथवा नगरीय निकाय में समाहित होने की स्थिति में विलोपन एवं मतदाता सूची के प्रिन्ट करने की कार्यवाही। बी०एल०ओ० एवं पर्यवेक्षकों को उनके कार्य क्षेत्र का आवंटन उन्हें तत्सम्बन्धी जानकारी देना प्रशिक्षण तथा स्टेशनरी आदि का वितरण (उपर्युक्त दोनों कार्यवाही पृथक-पृथक तथा समानान्तर चलेगी।) जो दिनांक 18 जुलाई, 2025 से 18 अगस्त, 2025 तक की गई थी। बी०एल०ओ० द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण एवं हस्तलिखित पांण्डुलिपि तैयार करने की अवधी (01 जनवरी, 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किये जायेंगे।) जो 19 अगस्त, 2025 से 29 सितम्बर, 2025 तक किया गया था। आनलाईन आवेदन करने की अवधि 19 अगस्त, 2025 से 22 सितम्बर, 2025 तक थी। ऑनलाईन प्राप्त आवेदन पत्रों की घर-घर जाकर जॉच करने की अवधि 23 सितम्बर, 2025 29 सितम्बर, से 2025 तक थी। निर्वाचक गणना पत्रक के आधार पर परिवर्धन, संशोधन एवं विलोपन की तैयार हस्तलिखित पाण्डुलिपि सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में जमा करने की अवधि सितम्बर, 2025 से 13 अक्टूबर, 2025 तक थी। संशोधन के अनुसार ड्राफ्ट नामावलियों की कम्प्यूट्रीकृत पांण्डुलिपि तैयार करना (निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूट्रीकरण की कार्यवाही) दिनांक 14 अक्टूबर, 2025 से 10 दिसम्बर, 2025 तक की जायेगी। निर्वाचक नामावलियों के कम्प्यूट्रीकरण के उपरांत मतदान केन्द्र/स्थलों का कमांकन मतदाता कमांकंन मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग मतदाता की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियाँ कराने आदि कार्य 11 दिसम्बर 2025 से 22 दिसम्बर, 2025 तक किया जायेगा। अन्तिम मतदाता सूची के आलेख का प्रकाशन 23 दिसम्बर, 2025 को किया जायेगा। आलेख के रूप में प्रकाशित अनन्तिम मतदाता सूची का निरीक्षण 24 दिसम्बर, 2025 से 30 दिसम्बर, 2025 तक किया जायेगा। दावे एवं आपत्तियाँ प्राप्त करना (01 जनवरी, 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी निर्वाचकों के भी स्वीकार किये जायेंगे) दिनांक 24 दिसम्बर, 2025 से 30 दिसम्बर, 2025 तक किया जायेगा। दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण दिनांक 31 दिसम्बर, 2025 06 जनवरी, 2026 तक, दावे /आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत हस्तलिखित पांण्डुलिपियों तैयार करना, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा करने की अवधि 07 जनवरी, 2026 से 12 जनवरी, 2026 तक, सूचियों की दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत पूरक कम्प्यूट्रीकरण की तैयारी तथा उन्हें मूल सूची में यथा स्थल समाहित करने की कार्यवाही दिनांक 13 जनवरी 2026 से 29 जनवरी 2026 तक, पूरक सूचियों की कम्प्यूट्रीकरण के उपरांत मतदान केन्द्र/स्थलों का कमांकन मतदाता कमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डों की मैपिंग मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियां कराने आदि की कार्यवाही दिनांक 30 जनवरी, 2026 से 05 फरवरी, 2026 तक और निर्वाचक नामावलियों का जन सामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन दिनांक 06 फरवरी, 2026 को किया जायेगा। उन्होनें निर्देश देते हुये कहा कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों के निर्वाचक नामावली के पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रमुख स्थानीय समाचार पत्रों में व्यापक प्रचार प्रसार किया जायेगा तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना पट पर भी यह कार्यकम प्रदर्शित किया जायेगा। निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित समय सारणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कार्य पूर्ण कराया जायेगा। किसी भी परिस्थिति में समय सीमा नहीं बढ़ाई जायेगी।

लोक अदालत को सफल बनाने हेतु बैठक का हुआ आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसम्बर को सफल बनाने हेतु समस्त विद्युत विभाग की बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक का संचालन अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ईश्वर सिंह एवं ज्योति अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा, ने किया। आहुत बैठक राजेशपाल, राहुल निगम, नीरज सिंह यादव, निखिल वर्मा ई0ई0 , संजय कुमार एस0ई0, राजकुमार मिश्रा एस0डी0 आदि विद्युत विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा ने सभी को राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु विद्युत विभाग के विवादों/वादों को प्रीलिटिगेशन स्तर पर चिन्हित कर निस्तारित करने के लिए कहा गया। तथा यह भी अनुरोध किया गया कि अधिक से अधिक मामलों/वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में चिन्हित कर जनपद अमरोहा की अधिक से अधिक वादकारियों को लाभ पहुंचाये तथा आहुत बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा के समस्त स्टाफ, सितिन कुमार डी0ई0ओ0, रितिक चाहल, हर्षित चौहान संवंद्ध लिपिक आदि उपस्थित रहे।

जिले में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की मेगा कार्यशाला शुरू

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के सभी विकास खंडों में पोषण और पढ़ाई को मजबूत करने के उद्देश्य से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला सीडीपीओ संजीव सिंह के निर्देशन में चल रही है। अभी ब्लॉक अमरोहा, जोया और धनौरा में यह प्रशिक्षण सक्रिय रूप से जारी है, जबकि शेष ब्लॉकों में शीघ्र ही आयोजन होगा। कार्यशाला में मुख्य रूप से ह्लपोषण टेकरह्व एप की संपूर्ण जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षक मैम ने कार्यकत्रियों को बताया कि इस एप के माध्यम से कुपोषित, अतिकुपोषित एवं सामान्य बच्चों का चिन्हीकरण कैसे किया जाए और उनका प्रबंधन कैसे सुनिश्चित किया जाए। बच्चों के वजन, ऊंचाई, एमयूएसी टेप माप और नियमित स्वास्थ्य जांच की बारीकियां सिखाई जा रही हैं।इसके अलावा आंगनबाड़ी केंद्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं जैसे शुद्ध पेयजल, शौचालय, खेल-कूद का सामान, प्री-स्कूल किट, दवाइयां आदि की उपलब्धता और रख-रखाव पर विस्तार से चर्चा हो रही है। बच्चों को पौष्टिक आहार, टीकाकरण, विटामिन-आयरन की खुराक और मां-शिशु स्वास्थ्य की नवीनतम गाइडलाइन्स पर भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है।जिलाधिकारी के निर्देश पर यह अभियान ह्लपोषण भी पढ़ाई भीह्व को धरातल पर उतारने का महत्वपूर्ण कदम है। कार्यकत्रियों में उत्साह है कि इस प्रशिक्षण से वे बच्चों के सर्वांगीण विकास में और बेहतर योगदान दे सकेंगी।

अपर जिलाधिकारी (वि/रा)की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिले की अपर जिलाधिकारी(वि/रा) गरिमा सिंह की अध्यक्षता में अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेंद्र प्रताप की उपस्थिति कलैक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाले राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली की जाए। एडीएम ने भू राजस्व, परिवहन, स्टांप, आबकारी, खनिज, नगर निकाय, वाणिज्य कर, मंडी, सिंचाई, बांट माप, बैंक, विद्युत एवं अन्य विभिन्न विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि जो शासन द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसी के सापेक्ष सभी विभाग प्रगति प्राप्त करें। अपर जिलाधिकारी ने विद्युत, वानिकी, सिंचाई, खनिज एवं मंडी सहित अन्य विभागों की जिनकी वसूली 60% कम है उनके सुधार के निर्देश दिए। मंडी की लक्ष्य बहुत कम वसूली होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सुधार के निर्देश दिये। इसी प्रकार विद्युत की खराब स्थिति पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य योजना बनाकर कार्य करने की हिदायत दी। उन्होंने नगर निकायों की समीक्षा करते हुए गत वर्ष की उपलब्धि के सापेक्ष बहुत कम वृद्धि पर नाराजगी जताते हुए सुधार लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर बृजपाल सिंह, शशि भूषण पाठक, मसीहा नजम, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत, तहसीलदार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गंभीर धाराओं में वांक्षित अपराधियों को कतई बख्सा न जाए दिलाएं सजा-अपर जिलाधिकारी (वि/रा)

अमरोहा (सब का सपना):- अपर जिलाधिकारी (वि/रा) गरिमा सिंह की अध्यक्षता में अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया जी की उपस्थिति कलक्ट्रेट सभागार में अभियोजन कार्य एवं कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में एडीएम ने कोर्टवार कितने को सजा दी गयी, कितने को दोषमुक्त किया गया, कितने साक्षी आये, कितने अपील की गई,कितने को रिहा किया गया पोक्सो सहित अन्य कार्यो की जानकारी ली। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि गंभीर धाराओं में वांक्षित अपराधियों को कतई बख्सा न जाए कड़ी से कड़ी सजा दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि महिला और बच्चों से सम्बन्धित अपराधों को गंभीरता से लिया जाय ज्यादा से ज्यादा दोष सिद्ध कर सजा दिलाई जाए। अपर जिलाधिकारी ने सभी शासकीय अभियोजन अधिकारियों तथा अधिवक्ताओं को निर्देश दिये कि गवाहों की शत प्रतिशत परिक्षित कराई जाये। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि महिला सम्बन्धी अपराधों पर शासन की मंशा के अनुरूप प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जाए कोई लापरवाही न हो यह विशेष ध्यान रखें। अपर जिलाधिकारी ने दोष मुक्त ज्यादा होने पर और दोषी कम पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। माह के प्रारंभ में लंबित वाद 3901 जिसमें दोषसिद्ध हुए 09, और दोषमुक्त हुए 18, कुल 27 केस निस्तारित किए गए और 03 केस शासकीय अपील हेतु भेजे गए हैं। इस अवसर पर सीओ सिटी, सीओ धनौरा, जे0डी0 अभियोजन, व शासकीय अधिवक्ता गण सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

गन्ना क्रय केन्द्रों व चीनी मिल गेट पर घटतौली रोकने के लिए जिलाधिकारी ने बनाई विशेष टीमें

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में गन्ना पेराई सत्र प्रारम्भ हो चुका है और प्रतिदिन लगभग 2.10 लाख कुन्तल गन्ना खरीद हो रही है। जिसके चलते जिलाधिकारी निधि गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में बैठक आयोजित हुई, जिसमें सड़क सुरक्षा को लेकर गन्ना ढुलाई वाहनों पर लाल कपड़ा व रिफ्लेक्टर एवं पिछले वर्ष की तरह किसी भी प्रकार की घटतौली, अनियमित तौल, गलत पर्ची जारी करने या किसानों के शोषण की शिकायत न मिले इसके लिए बड़ा निर्णय लेते हुए विशेष निरीक्षण टीमें गठित कर दी हैं। यदि निरीक्षण के समय तौल मशीन या पर्ची व्यवस्था में किसी भी प्रकार की अनियमितता सामने आती है, तो टीम तत्काल जिलाधिकारी महोदया को सूचित करेगी। साथ ही निरीक्षण की मूल प्रतिवेदन प्रति गन्ना निरीक्षक एवं सहायक चीनी आयुक्त, मुरादाबार को भेजी जाएगी। यदि मूल तौलन यन्त्र गलत वजन देता पाया गया तो चीनी मिल के तौल लिपिक, अध्यासी तौल प्रभारी के विरुद्ध विधिक माप विज्ञान विभाग द्वारा कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा उत्तर प्रदेश वैक्यूम पैन शुगर फैक्ट्रियां लाइसेंसिंग आदेश, 1969 के अंतर्गत आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3/7 के तहत भी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। अमरोहा जिले की वेव शुगर मिल धनौरा, त्रिवेणी शुगर मिल चन्दनपुर व सहकारी चीनी मिल गजरौला-हसनपुर तो गन्ना खरीदती ही हैं, इसके साथ ही अन्य जनपदों से सात (07) चीनी मिले भी जनपद अमरोहा से किसान उपज को खरीदती हैं। जनपद में कुल 321 गन्ना क्रय केन्द्र संचालित हो रहे हैं। इन केन्द्रों पर किसानों की सबसे बड़ी समस्या घटतौली, गलत तौल और पर्ची में त्रुटि की रहती है, जिसकी शिकायतें पिछले पेराई सत्र में कई स्थानों से प्राप्त हुई थीं। वर्तमान पेराई सत्र में एक भी अनियमितता न होने

पाए, इस उद्देश्य से जिलाधिकारी श्रीमति निधि वत्स ने उपजिलाधिकारी अमरोहा, धनौरा, हसनपुर व नौगावा की अध्यक्षता में निरीक्षण टीमें गठित कर दी हैं। इन टीमों में उपजिलाधिकारी के साथ निरीक्षक, विधिक माप विज्ञान, ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक को शामिल किया गया है। चीनी मिल गेट और गन्ना क्रय केन्द्रों पर होगा आकस्मिक निरीक्षण निदेर्शों के अनुसार, सभी टीमें जिले की चीनी मिलों के प्रवेश द्वार मिल गेट तथा सभी बाहरी गन्ना क्रय केन्द्रों का अचानक निरीक्षण करेंगी। निरीक्षण के दौरान तौलने वाली मशीनों की वास्तविक क्षमता, कांटों और बाटों की सटीकता, गन्ना तौल पर्चियों एस.एम.एस. . अर्थात संचार संदेश पर्चियों की सही जानकारी, किसानों को दिए जा रहे तौल की पारदर्शिता की गहन जांच की जाएगी। जवाब तलब, जमानत जब्ती और आर्थिक दंड तक की कार्रवाई संभव पाई गई अनियमितताओं के संबंध में सम्बंधित तौल लिपिक और अध्यासी से जवाब-तलब किया जाएगा। यदि उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया, तो जमानत जब्ती. या आर्थिक दंड अर्थदंड जैसी कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसानों के हितों की रक्षा में प्रशासन सख्त जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा है कि किसी भी स्थिति में किसानों के साथ घटतौली, धोखाधड़ी या अनियमित तौल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार की मंशा है कि किसान अपनी मेहनत का पूरा मूल्य प्राप्त करें और गन्ना क्रय प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और ईमानदार रहे। गन्ना ढुलाई वाहनों पर लाल कपड़ा एवं रिफ्लेक्टर अनिवार्य बैठक में निर्देश दिए गए कि गन्ना ढुलाई के लिए उपयोग होने वाले सभी वाहनों पर पीछे की ओर 22 मीटर का लाल कपड़ा तथा रिफ्लेक्टर टेप अनिवार्य रूप से लगाया जाए। चालकों एवं किसानों को इसके पालन हेतु नियमित रूप से जागरूक किया जाए। सभी चीनी मिलें यह सुनिश्चित करें कि गन्ना ढुलाई वाहन निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप संचालित हों तथा वाहन पर निर्धारित क्षमता से अधिक गन्ना लोड न किया जाए, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो। जिला गन्ना अधिकारी अमरोहा ने बताया कि उनके कार्यालय में केन इम्प्लीमेंटेशन कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें जनपद से संबंधित सभी चीनी मिलों के प्रतिनिधि, व विभागीय अधिकारीयों को बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए कि गन्ना तौल में घटतौली किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं होगी तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी निदेर्शों का कड़ाई से पालन कराया जाए। उन्होंने बताया कि चीनी मिल एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे किसानों को पराली न जलाने के लिए जागरूक करें तथा ट्रेश मल्चिंग का अधिकतम प्रयोग करवायें जिससे खेत को प्राकृतिक खाद मिलें और भूमि उर्वरता बढ़े।

बहन की शादी के कार्ड बांटने जा रहा युवक, ट्रेन की चपेट में आया,मौत

बबराला/संभल(सब का सपना):- बहन की शादी का कार्ड बांटने अलीगढ़ जा रहा 19 साल का युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा इतना भयावह था कि उसका सिर धड़ से अलग हो गया। करीब आधे घंटे तक लाश की शिनाख्त नहीं हो पाई। यह दिल दहला देने वाली घटना मंगलवार दोपहर करीब 12:50 बजे गुन्नौर तहसील के बबराला थाना क्षेत्र में अनूपशहर रेलवे फाटक के पास चंदौसी-अलीगढ़ रेलवे लाइन पर हुई। मृतक की पहचान रोहित कुमार (19) पुत्र घनश्याम, निवासी सिकंदरपुर खागी (थाना बबराला) के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार, रोहित की बड़ी बहन प्रीति की शादी 6 दिसंबर को तय हुई है। रोहित उसी सिलसिले में शादी के कार्ड बांटने अलीगढ़ जा रहा था। वह रेलवे पटरी पार कर रहा था कि तभी अचानक आ रही ट्रेन की चपेट में आ गया। हादसा इतना तेज था कि उसकी गर्दन धड़ से पूरी तरह अलग हो गई और मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। तथा पुलिस भी मौके पर पहुंची। करीब आधे घंटे बाद परिजन पहुंचे और शव की शिनाख्त की। इसके बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। मृतक के पिता घनश्याम ने बताया कि वे खुद हरियाणा में चाट का ठेला लगाते हैं। रोहित मोबाइल टावर पर काम करता था। घर में तीन भाई और दो बहनें हैं। बहन की शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। पुलिस ने बताया फिलहाल शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में मातम पसरा हुआ है।

तहसील सभागार में जागरूकता चौपाल का किया गया आयोजन

संभल(सब का सपना):- तहसील सभागार सम्भल में सदस्य राज्य महिला आयोग, अवनी सिंह की अध्यक्षता में जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें सदस्य ने जन चौपाल के विषय में लोगों को जागरूक किया उन्होंने कहा कि चौपाल के माध्यम से जनमानस अपनी समस्याओं को सामने रख सकते हैं और उन समस्याओं का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों के द्वारा निस्तारण किया जाएगा। अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा के द्वारा जन चौपाल के अंतर्गत जागरूक किया गया उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा की शिकायतों के लिए सरकार के द्वारा महिला शक्ति केंद्र संचालित हैं उन्होंने कहा कि महिलाएं निसंकोच अपनी समस्या को वहां रख सकती हैं उनको संज्ञान में लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर उनका निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के साथ-साथ बेटियों को आत्मनिर्भर भी बनाना चाहिए जिससे महिलाएं अपना सम्मान समाज में प्राप्त कर सकें। उन्होंने लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि अवैध अस्पतालों पर इलाज ना कराए

प्राथमिकता के आधार पर महिलाएं अवैध अस्पतालों में ना जाएं जिसको लेकर जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आशाओं एवं आंगनबाड़ियों के द्वारा महिलाओं को अवैध अस्पतालों में ना जाने के प्रति जागरूक किया जाए। सीडीपीओ रचना यादव ने जिलाधिकारी के निर्देशन में बालकों के कुपोषण को दूर करने के लिए किये जा रहे कार्यों और आईसीडीएस विभाग के द्वारा किए गए नवाचारों पर प्रकाश डाला गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस महेश कुमार ने आईसीडीएस विभाग के अंतर्गत सरकार के द्वारा चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं के विषय में माननीय सदस्य को विस्तार पूर्वक जानकारी दी एवं उसकी प्रगति के बारे में भी बताया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से चंद्रपाल सिंह के द्वारा जिला विधिक सेवाओं के बारे में जन चौपाल में लोगों को जागरूक किया गया एवं महिलाओं के लिए विधिक सेवा किस प्रकार से सुगमता पूर्वक प्रदान की जा रही है उसको लेकर विस्तार पूर्वक जानकारी दी। चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर मनीष अरोड़ा के द्वारा स्वास्थ्य विभाग के द्वारा चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं के विषय में सदस्य को बताया गया और उन्होंने कहा कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के द्वारा महिलाओं को लाभ दिया जा रहा है और महिलाओं को जागरुक भी किया जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक के द्वारा महिलाओं के कार्यस्थल पर उत्पीड़न अधिनियम 2013 के संबंध में महिलाओं को उनके कार्य स्थल पर होने वाले किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की शिकायत करने के लिए भी महिलाओं को जागरूक किया उन्होंने कहा महिलाएं किसी भी प्रकार का उत्पीड़न सहन न करें।सदस्य राज्य महिला आयोग अवनी सिंह ने जिलाधिकारी के प्रयासों से संभल की बदलती तस्वीर पर प्रसन्नता व्यक्त की और उन्होंने कहा कि संभल जिले में सरकार की योजनाओं पूर्ण रूप से धरातल पर क्रियान्वित होती दिखाई दे रही हैं उन्होंने कहा कि वह गांव जो सरकार की योजनाओं से अच्छादित होने से वंचित हैं उन तक भी सरकार की योजनाएं पहुंचें। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा, जिला विधिक प्राधिकरण से चंद्रपाल सिंह, चिकित्सा अधीक्षक सम्भल डॉ मनीष अरोड़ा, जिला कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस महेश कुमार, महिला थाना अध्यक्ष रेनू सिंह सहित समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत जिला स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक के अन्तर्गत पूर्व जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक के बिन्दुओं पर क्या अनुपालन हुआ उस पर चर्चा की गयी। जननी सुरक्षा योजना को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा एफआरयू,तथा एचएमआईएस पोर्टल पर एएनसी जांच, प्रसव तथा टीकाकरण, आरसीएच फीडिंग, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु संविदा कर्मचारियों के वार्षिक वेतन वृद्धि, लॉयल्टी बोनस आदि, सीएचओ द्वारा स्थानांतरण के आवेदन, सीएचओ द्वारा ई संजीवनी ओपीडी स्थिति विकास खण्ड वार पर चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी सीएचओ का प्रतिदिन औसत 10 से कम आता है तो नो

वर्क नो पे के आधार पर आवश्यक कार्यवाही की जाए। आभा आईडी को लेकर भी चर्चा की गयी जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि आभा आईडी की प्रगति बढाने के लिए एक अभियान चलाया जाए तथा प्रत्येक आशा का प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। ई कवच पर आभा आईडी तथा ई कवच पर सैम बच्चों को लेकर भी चर्चा की गयी। मातृ मृत्यु दर, जन्म पंजीकरण को लेकर भी चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि सबसे कम जन्म पंजीकरण करने वाले कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं उससे ऊपर वाले संबंधित कार्मिकों को स्पष्टीकरण जारी किया जाए। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एचबीएनसी को लेकर भी चर्चा की गयी तथा रिपोर्टिंग के गैप को खत्म करने तथा जिम्मेदार आशाओं पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एनक्यूएएस के अन्तर्गत आने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में निर्माण कार्यों एवं अन्य मानकों को लेकर खण्ड विकास अधिकारियों के साथ चर्चा की एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को इसको प्राथमिकता पर रखने के निर्देश दिए। वीएचएसएनडी सत्र, आशा कलस्टर मीटिंग, वैक्सीन अपडेशन, जीरो वैक्सीनेशन पर भी चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि झोलाछाप के यहाँ औषधि कहाँ से सप्लाई होती है उसको औषधि निरीक्षक विशेष रूप जांच करें तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी जिला स्वास्थ्य समिति की बैठकों में औषधि निरीक्षक भी सम्मिलित रहें। आयुर्वेद एवं होम्योपैथी को लेकर भी चर्चा की गयी तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ राजेन्द्र सिंह सैनी, एवं समस्त एमओआईसी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक संपन्न, तीन विवाद सुलझे, दो परिवार फिर से एक हुए

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- संभल पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा व क्षेत्राधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की नियमित बैठक मंगलवार को चंदौसी के गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी में संपन्न हुई। परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में आयोजित इस बैठक में पति-पत्नी के बीच हुए पारिवारिक एवं दांपत्य विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का सफल प्रयास किया गया। बैठक में कुल ग्यारह पत्रावलियों पर विचार-विमर्श किया गया, जिनमें से तीन पत्रावलियों का अंतिम

निस्तारण कर दिया गया। सबसे सुखद पहलू यह रहा कि दो परिवारों को फिर से एकजुट कराया गया। एक पत्रावली पर आवेदक द्वारा आगे बल न देने के कारण उसे बंद कर दिया गया। इस मौके पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, सब-इंस्पेक्टर महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल रुचि पीसी, सुधारानी सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं स्टाफ उपस्थित रहे। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र के माध्यम से जिले में पारिवारिक विवादों को अदालत के बाहर आपसी सुलह से सुलझाने का प्रयास लगातार जारी है, जिससे न केवल समय व धन की बचत हो रही है, बल्कि टूटते परिवारों को फिर से जोड़ने में भी उल्लेखनीय सफलता मिल रही है।

बाल विवाह के खिलाफ स्कूली बालिकाओं ने ली शपथ

संभल (सब का सपना):- बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के संकल्प को मजबूत करने के लिए जनपद संभल में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन (JRFC) अभियान के तहत बुधवार को नूरियों सराय क्षेत्र के एक स्कूल में छात्र-छात्राओं ने बाल विवाह के खिलाफ सामूहिक शपथ ली। बच्चों ने एक स्वर में प्रतिज्ञा की कि वे न केवल स्वयं बाल विवाह नहीं करेंगे, बल्कि अपने आस-पास होने वाले किसी भी बाल विवाह की सूचना तुरंत अधिकारियों को देंगे। कार्यक्रम का आयोजन प्रयत्न संस्था तथा जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण के निर्देशन में चले इस जागरूकता अभियान में बच्चों को बताया गया कि बाल विवाह, बाल मजदूरी और बाल तस्करी गंभीर अपराध हैं और इन्हें रोकना हर नागरिक का दायित्व है। संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, ह्बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह बच्चों के बचपन, शिक्षा और स्वास्थ्य को छीन लेता है। अगर आपको कहीं बाल विवाह की जानकारी मिले तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या पुलिस हेल्पलाइन 112 पर सूचना दें।ह्व उन्होंने बताया कि सरकार का लक्ष्य 2030 तक भारत को पूरी तरह बाल विवाह मुक्त बनाना है और इसके लिए हर बच्चे की भागीदारी जरूरी है। कार्यक्रम में फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद, विद्यालय के प्रधानाचार्य तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। बच्चों में इस शपथ ने गजब का उत्साह भरा और उन्होंने संकल्प लिया कि वे अपने गांव-मोहल्ले में भी इस मुहिम को आगे बढ़ाएंगे।

परिवहन विभाग का अमरोहा में बड़ा अभियान: 09 अनाधिकृत यात्री वाहन सीज, 35 चालान

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में अनाधिकृत यात्री वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग का सख्त अभियान लगातार जारी है। बुधवार को प्रवर्तन एआरटीओ महेश शर्मा के नेतृत्व में दो विशेष टीमों ने ब्रजघाट बॉर्डर से हसनपुर रोड तथा जोया फ्लाईओवर तक हाईवे पर व्यापक चेकिंग की। अभियान का मुख्य लक्ष्य वे निजी (व्हाइट प्लेट) वाहन थे जो पंजीकरण के बावजूद व्यावसायिक रूप से यात्रियों को बैठाकर किराया वसूल रहे थे। इन वाहनों का अवैध संचालन न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है बल्कि सड़क सुरक्षा के लिए भी खतरा है।दोनों टीमों ने मिलकर कुल 09 ऐसे अनाधिकृत यात्री वाहनों को पकड़ा तथा उन्हें मौके पर सीज कर दिया। सीज वाहनों को गजरौला रोडवेज बस स्टैंड, अमरोहा रोडवेज बस स्टैंड तथा डिडौली थाने में सुरक्षित

खड़ा किया गया। इसके अलावा सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन करने वाले 35 अन्य वाहन चालकों के खिलाफ चालान काटा गया। इनमें बिना हेलमेट, ड्राइविंग के दौरान मोबाइल प्रयोग, विपरीत दिशा में वाहन चलाना, बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाना आदि गंभीर उल्लंघन शामिल रहे।चेकिंग के दौरान कुछ चालक वाहन छोड़कर या तेज रफ्तार से भागने की कोशिश करने लगे। कई चालक हाईवे छोड़कर संकरी गलियों में घुस गए, लेकिन प्रवर्तन टीमों की मुस्तैदी के आगे किसी को राहत नहीं मिली। अधिकारियों ने सूझबूझ व सावधानी से सभी वाहनों को रोका। एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा ने बताया कि अवैध यात्री परिवहन एवं सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। इससे जिले में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में किसान दिवस का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में ह्किसान दिवसह्व का आयोजन किया गया। इस अवसर पर किसानों ने एक-एक करके बिजली, पानी, सड़क, नलकूप, गन्ना भुगतान आदि सहित अन्य संबंधित शिकायतों को जिलाधिकारी के समक्ष रखा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। कृषकों ने हसनपुर में अमरोहा अड्डे पर अधिक भीड़भाड़ रहने के कारण वहां पर ब्रेकर लगवाने की मांग की, जिस पर जिलाधिकारी ने पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग को निर्देश दिये कि मौके पर जाकर स्थिति का निरीक्षण कर उक्त समस्या का समाधान तत्काल करें। जिलाधिकारी ने सभी किसान भाईयो से आग्रह करते हुये कहा कि गौवंश को निराश्रित न छोड़े और इसके के साथ ही गन्ने के अवशेष या पत्तियों को न जलाये इस बात का विशेष ध्यान दिया जाये। जिलाधिकारी महोदया से किसान भाईयों से यह भी आग्रह करते हुये कहा कि गन्ना ओवरलोडिंग न ले जाये। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा अवगत कराया गया कि बिजली की दरों में भारी छूट का सरकार ने प्रावधान किया है इसलिये आन सभी इसका लाभ प्राप्त करें। किसान भाइयों ने जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के समक्ष गन्ना क्रय केन्द्रों पर घटतौली की समस्या को रोकने का आग्रह किया और उन्होने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि बिजली विभाग के जो मीटर रीडर बिल निकालने आते है वे प्रतिमाह

नही आते है जिससे किसानो पर अतिरिक्त चार्ज पड़ता है, जिस पर जिलाधिकारी से अधिक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि मीटर रीडर प्रतिमाह बिल निकालने जाये। उन्होंने लीड बैंक मैनेजर को निर्देश दिए की बैंक से संबंधित किसान भाइयों की जो भी समस्या है उनका निराकरण उचित प्रकार करें। उन्होनें कहा कहा कि जो भी सरकार की कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं उनकी जानकारी किसानों को मिले और उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि शासन की मंशा है कि किसानों के समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाये और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ मिलें। जिलाधिकारी ने कहा कि किसान दिवस में जो आज शिकायत आयी है, उनको पारदर्शिता पूर्वक निस्तारण करें, और जिलाधिकारी ने कहा कि समय रहते कार्य को पूर्ण करें और किसानो को अनावश्यक परेशान न होने पड़े। किसान दिवस मे उप निदेशक कृषि रामप्रवेश, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता पी0डब्ल्यू0डी0 एवं विद्युत, जलनिगम के अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी एवं किसान बन्धु उपस्थित रहे।

बहजोई पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को घर से किया गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद सम्भल में कानून-व्यवस्था को दुरुस्त रखने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बहजोई पुलिस ने सफलता हासिल की है। 19 नवंबर को थाना बहजोई पुलिस टीम ने दो फरार वारंटी अभियुक्तों को अलग-अलग मुकदमों में उनके घरों से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान भारत सिंह पुत्र जुगलकिशोर, निवासी बिसारु, थाना बहजोई बाबूराम पुत्र भोलेराम, निवासी मुल्हैटा, थाना बहजोई के रूप में हुई है ।दोनों अभियुक्तों के खिलाफ अलग-अलग आपराधिक मुकदमों में न्यायालय से जारी वारंट बकाया थे। पुलिस टीम ने सटीक सूचना के आधार पर दबिश देकर दोनों को उनके घरों से हिरासत में लिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक संत कुमार, थाना बहजोई,उप निरीक्षक योगेश कुमार, हेड कांस्टेबल विशाल कुमार कांस्टेबल राजेश कुमार शामिल रहे पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कोई भी वारंटी बचकर नहीं रह पाएगा।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर एकता यात्रा संपन्न, हजारों कार्यकर्ता हुए शामिल

असमोली/संभल(सब का सपना):- भारत की एकता और अखंडता के सूत्रधार, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर असमोली विधानसभा क्षेत्र में विशाल ह्लएकता यात्राह्व का आयोजन किया गया। यह यात्रा क्षेत्र में राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के साथ-साथ सरदार पटेल के जीवन और योगदान को याद करने का बड़ा माध्यम बनी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मवीर प्रजापति ने सरदार पटेल के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जब भारत आजाद हुआ, तब देश में विभिन्न प्रकार की रियासतें अलग-अलग शासन कर रही थीं। सरदार पटेल की दूरदर्शिता, कूटनीति और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण ही इन सभी रियासतों का भारत में शांतिपूर्ण विलय संभव हो सका। मंत्री जी ने इसे ह्लभारत के एकीकरण की सबसे बड़ी कूटनीतिक सफलताह्व बताया। यात्रा का नेतृत्व असमोली विधानसभा प्रत्याशी एवं जिला अध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह ने किया। यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव, परमेश्वर लाल सैनी, बिरलेश यादव, कुलदीप चहल, सोनू चाहर, हरिओम शर्मा, डॉ. तेजपाल सैनी, अशोक शर्मा, विपिन गुप्ता, योगेंद्र त्यागी, जयप्रकाश गुप्ता, सौरभ त्यागी, नेत्रपाल यादव, सतपाल यादव, सत्य प्रकाश यादव, एडवोकेट पिंटू यादव, संतोष यादव, मनोज चौधरी, रॉबिन चौधरी, पंकज शर्मा, हरपाल सिंह, नागेंद्र प्रधान, गिरिराज चाहर, हरिओम सिंह, जितेंद्र चौधरी, उदयवीर सिंह, पप्पू सहित सैकड़ों जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और हजारों की संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता चौधरी हरेंद्र सिंह ने की तथा संचालन हरिओम शर्मा ने कुशलतापूर्वक किया।

हरियाणा हाईकोर्ट के एडवोकेट को साइबर ठगों ने लगा 82 हजार रुपये का चूना

पंचकूलाः हरियाणा के पंचकूला में साइबर ठगों ने हाईकोर्ट के एक वकील से करीब 82 हजार रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित वकील की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस उन खातों की जांच कर रही है, जिनमें ठगों ने पैसे ट्रांसफर करवाए हैं। डाल्फिन अपार्टमेंट निवासी विकास ने बताया कि वह हाईकोर्ट में वकालत करता है। उसके पास एक कॉल आई, जिसमें काल करने वाले ने खुद को फेडरल बैंक का कर्मचारी बताया। बातचीत के दौरान कॉलर ने कहा कि वे स्केपिया क्रेडिट कार्ड की एप्लिकेशन को कार्ड-टू-कार्ड बेसिस पर मंजूर कर देंगे। इसके बाद ठग ने विकास से उसके अमेरिकन एक्सप्रेस क्रेडिट कार्ड की स्टेटमेंट एक ईमेल पर भेजने को कहा। विकास ने बताया कि इसी दौरान उसे एक मेल प्राप्त हुआ, जिस पर क्लिक करते ही उसका मोबाइल फोन हैक हो गया। कुछ ही देर बाद उसके फोन पर अमेरिकन एक्सप्रेस क्रेडिट कार्ड से 82,893.77 रुपए कटने का मैसेज आया। उसे पता चला कि किसी अंजान व्यक्ति ने बैंक कर्मचारी बनकर उसके साथ यह साइबर फ्रॉड किया है। पंचकूला साइबर क्राइम थाना के जांच अधिकारी एसआई भूप सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उन खातों की जांच कर रही है, जिनमें ठगों ने पैसे ट्रांसफर करवाए हैं। उन्होंने कहा कि साइबर ठगों की पहचान के लिए तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और मामले की जांच जारी है।

जेलों में बंद कैदियों को मिलेगा रोजगार, इन 5 जेलों में शुरू हुआ ITI कोर्स

पंचकूला : हरियाणा सरकार और कारागार विभाग ने कैदियों के पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अंबाला, करनाल, फरीदाबाद, पानीपत और गुरुग्राम जेलों में वोकेशनल आईटीआई कोर्स शुरू किए हैं। इन कोर्सों का औपचारिक उद्घाटन 6 दिसंबर को होगा। विभाग ने ह्लडफ्फ के साथ समझौता किया है, जिसके तहत प्रशिक्षण ले रहे कैदी रिहा होने के बाद ह्लडफ्फ पोर्टल पर पंजीकरण कर नौकरी के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। डीजीपी जेल आलोक कुमार राय ने बताया कि यह पहल कैदियों को समाज की मुख्यधारा में लौटने में मदद करेगी। डीजीपी ने बताया कि करनाल जेल में पैरोल के बाद लौटे एक कैदी के पेट से करीब 250 नशीले कैप्सूल बरामद किए गए। संदेह होने पर जेल कर्मचारियों ने उसका सिटी स्कैन कराया, जिसमें कैप्सूल मिलने की पुष्टि हुई। आरोपी 10 साल की सजा काट रहा है और 28 दिन की पैरोल पर बाहर गया था। डीजीपी ने कहा कि आईपीएस वाई पूरन सिंह के पूर्व गनमैन सुशील कुमार को जेल में जान से मारने की धमकी की शिकायत मामले में जेल विभाग की जांच में कोई तथ्य नहीं मिला। शिकायत पर सुशील को रोहतक से अंबाला जेल शिफ्ट किया गया था। वह रिश्वत लेने के आरोप में जेल में बंद है।

सीआईए-2 की टीम ने नोनी राणा गैंग के दो सदस्य किए गिरफ्तार, अवैध हथियार बरामद

हरियाणा : पंचकुला-सहारनपुर हाइवे पर भम्भौली के पास से यमुनानगर की सीआईए-2 की टीम ने 18 नवंबर की देर शाम दो बदमाशों को गिरफ्तार किया। दोनों बिना नंबर की बाइक पर संदिग्ध हालत में मौजूद थे। तलाशी के दौरान उनके पास से अवैध हथियार और छह जिंदा रौंद बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बैंक कॉलोनी निवासी स्वास्तिक मेहरा उर्फ साहिल और फ्रेंड्स कॉलोनी निवासी विवेक उर्फ अभिषेक उर्फ बेकू के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों को नामजद करते हुए कोर्ट में पेश कर रिमांड की मांग करने की तैयारी शुरू कर दी है। सीआईए-2 के योगेश कुमार ने शिकायत में बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि नोनी राणा गैंग से जुड़े ये दोनों आरोपी किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में अवैध हथियारों के साथ घूम रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों को दबोच लिया। बरामदगी अभिषेक से एक लोडेड कट्टा (चार रौंद) स्वास्तिक से एक कट्टा (एक रौंद) स्वास्तिक की जेब से अतिरिक्त एक रौंद पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे कुख्यात नोनी राणा गैंग से जुड़े हुए हैं। ज्ञात हो कि नोनी राणा का नाम कारोबारियों से रंगदारी मांगने और धमकी भरे कॉल करने के मामलों में पहले भी सामने आ चुका है। सूत्रों के अनुसार, नोनी राणा विदेश में बैठकर सोशल मीडिया के माध्यम से अपना नेटवर्क संचालित कर रहा है और उसके निर्देश पर गैंग के सदस्य रंगदारी न मिलने पर फायरिंग जैसी घटनाओं को अंजाम देते हैं।

अभय चौटाला की सीधी डील अमित शाह से, जेजेपी अब बनी बीजेपी की सी टीम : आदित्य सुरजेवाला

कैथल : कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला ने बुधवार को किसान भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान इनेलो और जेजेपी पर तीखे राजनीतिक प्रहार किए। उन्होंने आरोप लगाए कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान इनेलो ने पर्दे के पीछे से भारतीय जनता पार्टी को लाभ पहुंचाने का काम किया। सुरजेवाला ने दावा किया कि इनेलो नेता अभय चौटाला की सीधी डील केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हुई, जिसके बाद इनेलो ने रणनीतिक तौर पर कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाने का प्रयास किया। सुरजेवाला ने कहा कि चुनावों के महत्वपूर्ण समय में इनेलो की कथित भूमिका ने बीजेपी को सीधा फायदा दिया, और यह सब पूर्व नियोजित सियासी समझौते के तहत किया गया। उन्होंने कहा कि अभय चौटाला ने बीजेपी के इशारे पर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कदम उठाए। उन्होंने इसे लोकतंत्र के साथ धोखा और हरियाणा की जनता के साथ राजनीतिक छल बताया। जेजेपी पर हमला बोलते हुए सुरजेवाला ने कहा कि पार्टी ने सत्ता पाने की जल्दबाजी में अपनी मूल विचारधारा से समझौता कर लिया और अब पूरी तरह बीजेपी की C टीम के रूप में कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि सत्ता लोभ में जेजेपी नेतृत्व ने बार-बार बीजेपी का साथ दिया, जिससे जनता के बीच उनकी विश्वसनीयता खत्म हो गई है। सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि जेजेपी ने किसानों, युवाओं और कर्मचारियों के हितों की उपेक्षा कर केवल कुर्सी बचाने की राजनीति की है। प्रेसवार्ता के दौरान सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा की जनता अब इन राजनीतिक मेलजोलों को समझ चुकी है और आने वाले समय में दोनों पार्टियों को इसका जवाब जरूर देगी। उन्होंने विश्वास जताया कि साफ, पारदर्शी और जिम्मेदार राजनीति ही हरियाणा का भविष्य तय करेगी।

पॉश एरिया की मार्केट में बेची जा रही थी प्रतिबंधित ई सिगरेट, सीएम फ्लाइंग ने की रेड

गुड़गांव, (ब्यूरो): शहर के पॉश एरिया साउथ सिटी-2 की मार्केट में अवैध रूप से ई सिगरेट बेचने का मामला सामने आया है। सीएम फ्लाइंग की टीम ने सूचना के आधार पर एक पान दुकान पर रेड कर यहां से प्रतिबंधित ई सिगरेट बरामद की है। टीम ने यह सिगरेट कब्जे में लेते हुए दुकान संचालक के खिलाफ सेक्टर-50 थाना पुलिस को शिकायत देकर केस दर्ज कराया है। पुलिस ने केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-49 के साउथ सिटी-2 बी ब्लॉक मार्केट में एन के पान नामक दुकान पर अवैध रूप से ई सिगरेट बेची जा रही है। इस सूचना पर इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने अपनी टीम के साथ मौके पर रेड की। यहां एक व्यक्ति मौजूद मिला जिसने अपनी पहचान संगम विहार दिल्ली के रहने वाले विरेंद्र चौरसिया बताई। जांच के दौरान टीम को यहां एक थैले में प्रतिबंधित ई सिगरेट बरामद हुई इसकी सूचना सेक्टर-50 थाना पुलिस को दी गई। मैके पर पहुंची थाना पुलिस ने जब पान दुकान संचालक से लाइसेंस मांगा तो वह कोई लाइसेंस पेश नहीं कर पाया। इस पर पुलिस ने उसके खिलाफ Electronic Cigarettes Act 2019 की धारा 4, 7 के तहत केस दर्ज कर यहां से बरामद ई सिगरेट, पफ सहित अन्य सामान को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

रोहतक के किक बॉक्सर और उनकी पत्नी पर मेरठ में एफआईआर, कल ही हु ई दोनों की शादी

रोहतक : रोहतक के किक बॉक्सर साहिल भारद्वाज की शादी मेरठ की इंटरनेशनल जैवलिन थ्रोअर अन्नू रानी से मंगलवार रात हुई। इन दोनों ने अपनी शादी में स्टेज से हवाई फायरिंग की। इस पर मेरठ पुलिस ने साहिल और उनकी नवविवाहित पत्नी अनु रानी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बता दें कि साहिल और अनु की बीती रात को मेरठ के मैरिज पैलेस में शादी हुई। यहां साहिल ने स्टेज पर अनु का हाथ पकड़कर राइफल से 2 बार हवाई फायर किए। इसके अलावा वरमाला के दौरान 10-10 के करंसी नोटों की दो गड्डियां अनु के ऊपर से फेरकर उड़ाईं। आज रोहतक में दोनों की रिसेप्शन पार्टी है। वहीं मेरठ के SSP विपिन ताडा ने बताया कि सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो के आधार पर साहिल और अनु के खिलाफ सरधना थाने में आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। साहिल रोहतक जिले के सांपला कस्बे के रहने वाले हैं और इस समय रोहतक शहर की जनता कॉलोनी में रहते हैं। वह किक बॉक्सर हैं और 4 बार के नेशनल चैंपियन हैं। उन्होंने नेशनल चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता है। पत्नी अनु ने 2022 के कॉमनवेल्थ गेम्स में जेवलिन में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। अनु कॉमनवेल्थ गेम्स में देश के लिए मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं।

पु रुष कॉन्स्टेबल पद के उम्मीदवार के आवेदन पर करें दोबारा विचार.एचसी ने डीजीपी को दिए आदेश

हरियाणा : पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा के डीजीपी को आदेश दिया है कि वे पुरुष कॉन्स्टेबल (जीडी) पद के उम्मीदवार अमित कुमार की उम्मीदवारी पर दोबारा विचार करें। कोर्ट ने कहा कि केवल सड़क दुर्घटना मामले में लंबित ट्रायल के आधार पर नियुक्ति ठुकराना नियमों के विपरीत है। महेंद्रगढ़ निवासी अमित कुमार ने पुरुष कॉन्स्टेबल के पद के लिए आवेदन किया था और सभी चयन चरणों को सफलतापूर्वक पूरा किया। इसी दौरान एक सड़क दुर्घटना प्रकरण में उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई, जिसकी जानकारी उसने सत्यापन फॉर्म में ईमानदारी से दर्ज की थी। सितंबर 2023 में पुलिस एवं जिला अटॉर्नी ने सूचित किया कि मामला ट्रायल में लंबित है। बाद में 3 मई 2025 को ट्रायल कोर्ट ने शिकायतकर्ता के बयान को अविश्वसनीय पाते हुए अमित को बरी कर दिया। अयोग्यता का विवादइसके बावजूद 18 अगस्त 2025 को उसकी उम्मीदवारी यह कहते हुए खारिज कर दी गई कि बरी होने का आदेश सत्यापन प्रक्रिया के बाद आया है। जस्टिस जगमोहन बंसल की एकल पीठ ने कहा कि आरोप न तो नैतिक अधोपतन से जुड़े थे, न ही ऐसे अपराध के थे जिसकी अधिकतम सजा तीन वर्ष या उससे अधिक हो। पंजाब पुलिस नियम (जो हरियाणा में भी लागू हैं) ऐसे मामलों में अयोग्यता की अनुमति नहीं देते। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले रविंद्र कुमार बनाम स्टेट ऑफ यूपी का हवाला देते हुए कहा कि भर्ती प्राधिकरण को आरोपों की प्रकृति, घटना का समय, उम्मीदवार के आचरण और मामले के अंतिम परिणाम का समग्र मूल्यांकन करना चाहिए। यहां न केवल आरोप गंभीर नहीं थे, बल्कि उम्मीदवार ईमानदार रहा और अदालत से पूर्णतः बरी भी हो गया। इन परिस्थितियों को देखते हुए हाई कोर्ट ने हरियाणा के डीजीपी को निर्देश दिया कि उम्मीदवार के मामले की पुनः समीक्षा की जाए और यदि वह उपयुक्त पाया जाए,

किसानों को मजबूत सहारा देने के लिए बड़ा कदम, हरियाणा इन जिलों में शु रू हु ई विशेष सब्सिडी योजना

हरियाणा : हरियाणा सरकार ने रबी सीजन में किसानों को मजबूत सहारा देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत राज्य में जौ और गेहूं की फसलों के लिए बीज वितरण से लेकर प्रदर्शन प्लांट और पौध व मृदा संरक्षण प्रबंधन तक पर अनुदान दिया जाएगा। दोनों फसलों के लिए किसान विभाग की वेबसाइट पर कुछ सरल चरणों में आवेदन पूरा कर सकते हैं। साथ ही, हर जिले के कृषि विकास अधिकारी, ब्लॉक कृषि अधिकारी, उप-मंडल कृषि अधिकारी और उप कृषि निदेशक के कार्यालयों में जानकारी और सहायता उपलब्ध रहेगी। यह पहल किसानों की उत्पादकता बढ़ाने, बेहतर किस्मों को बढ़ावा देने और मिट्टी की उर्वरता कायम रखने में मदद करेगी। जौं की खेती को बढ़ावा देने के लिए पंचकूला, रोहतक, भिवानी, सिरसा, हिसार, झज्जर और चरखी दादरी जिलों को चुना गया है। इन जिलों में किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज, फसल प्रदर्शन इकाइयों और मृदा प्रबंधन तकनीकों पर सरकारी सहायता दी जाएगी। इच्छुक किसान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसी तरह गेहूं के लिए अम्बाला, भिवानी, हिसार, झज्जर, मेवात, पलवल, चरखी दादरी और रोहतक जिलों में अनुदान मंजूर किया गया है। इस स्कीम का उद्देश्य अधिक उत्पादन और वैज्ञानिक तरीके से खेती को बढ़ाना है। किसान बिजाई की समय-सारणी के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। सरकार का मानना है कि उन्नत बीज, आधुनिक कृषि तकनीक और मृदा संरक्षण उपायों से फसल की पैदावार बढ़ेगी और किसानों के लाभ में भी इजाफा होगा।

सेकंड हैंड कार खरीदने से पहले जान लें ये जरूरी बातें, नहीं तो बाद में होंगी बड़ी दिक्कत

हरियाणा : फरीदाबाद में विस्फोटक मिलने और उसके बाद दिल्ली में आई20 कार में हुए बम धमाके के मामले ने पुरानी कार खरीद-बिक्री की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच में सामने आया है कि जिस कार में विस्फोटक ले जाए जा रहे थे, वह कई बार अलग-अलग मालिकों के पास रही थी। अब पुलिस उन सभी पूर्व मालिकों से पूछताछ कर रही है। इस घटना ने सेकेंड-हैंड वाहन खरीदने से पहले जरूरी सावधानियों को एक बार फिर रेखांकित किया है। पुरानी कार खरीदने से पहले क्यों जरूरी है सतर्कता? सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, सेकेंड-हैंड वाहन गलत तत्वों द्वारा इस्तेमाल किए जाने का खतरा ज्यादा रहता है, खासकर तब जब दस्तावेज सही तरीके से ट्रांसफर न किए गए हों। ऐसे में किसी भी अप्रत्याशित कानूनी जटिलता से बचने के लिए खरीदारों को कुछ महत्वपूर्ण कदम अवश्य उठाने चाहिए। RC ट्रांसफर कराना अनिवार्यपुरानी कार खरीदने या बेचने के बाद रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (RC) का ट्रांसफर कराना कानूनी रूप से बेहद जरूरी है। फ्ठ में नाम अपडेट न होने पर किसी भी अपराध या विवाद की स्थिति में जिम्मेदारी पुराने मालिक पर आ सकती है। यही वजह है कि पुलिस जांच में सबसे पहले फ्ठ पर दर्ज नाम को ही आधार बनाया जाता है। अगर कार पहले लोन पर खरीदी गई थी, तो बैंक या फाइनेंस कंपनी से NOC (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) लेना जरूरी है। इसके बिना वाहन का मालिकाना हक बदलना मुश्किल हो जाता है और कानूनी दिक्कतें बढ़ सकती हैं। इंश्योरेंस ट्रांसफर कराना न भूलें कार खरीदने के बाद उसकी इंश्योरेंस पॉलिसी नए मालिक के नाम पर ट्रांसफर कराना जरूरी है। दुर्घटना, चोरी या किसी आपात स्थिति में दावा तभी स्वीकार किया जाता है जब बीमा पॉलिसी में आपका नाम अपडेट हो। वाहन की पूरी तकनीकी जांच जरूरी इंजन की स्थितिः पता करें कि इंजन में कोई बड़ी मरम्मत तो नहीं हुई है। मैकेनिक से निरीक्षणः किसी भरोसेमंद मैकेनिक से कार की पूरी जांच कराएं। बॉडी और सस्पेंशनः जंग, डेंट और सस्पेंशन से जुड़ी दिक्कतें बाद में भारी खर्च बन सकती हैं। इंटीरियर व बेसिक चेकः सीट, लाइट, टायर, ब्रेक आदि की पूरी जांच करें। कम कीमत देखकर जल्दबाजी में फैसला न लें विशेषज्ञों का कहना है कि कई बार सस्ती कीमत देखने पर खरीदार जल्दबाजी में फैसला कर लेते हैं। लेकिन पुरानी कार खरीदते समय उसकी उम्र, सर्विस रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति को प्राथमिकता देना चाहिए। गलत चुनाव भविष्य में भारी खर्च और कानूनी परेशानी का कारण बन सकता है।

जज लगवाने के नाम 40 लाख ठगे, 1.60 करोड़ में हुई डील...ऐसे खेला गया पूरा खेल

सिरसा : सिरसा में एक प्रॉपर्टी डीलर का काम करने वाले व्यक्ति ने जज लगवाने के नाम पर एक पिता -पुत्र से लाखों रुपए की ठगी की है। पीड़ित पिता - पुत्र ने इस ठगी की शिकायत सिविल पुलिस लाइन स्टेशन में दे दी है फिलहाल शिकायत के आधार पर पुलिस ने पीड़ित पक्ष और आरोपी पक्ष के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दरअसल राजस्थान में जज लगवाने के नाम पर सिरसा में हुडा सेक्टर 20 का निवासी सुमित कुमार प्रॉपर्टी डीलर का काम करता है। सुमित कुमार की खन्ना कॉलोनी निवासी ललित कुमार से पहचान थी। सुमित कुमार ने ललित कुमार को अपने राजस्थान हाई कोर्ट और दिल्ली में काफी पहुंच होने का भरोसा दिलाया था जिसके बाद ललित कुमार सुमित के झांसे में आ गया और ललित ने सुमित को पैसे देने का मन भी बना लिया। बताया जाता है कि सुमित ने ललित से उसके बेटे को राजस्थान में जज लगवाने 1 करोड़ 60 लाख की डील पक्की थी पहली किस्त में 60 लाख रुपए देने पर सहमति हुई थी और ललित ने सुमित को 60 लाख रुपए दे भी दिए और बाकि के 1 करोड़ की राशि जज लगने के बाद देने पर ,राजीनामा हुआ था। ललित कुमार के मुताबिक उसका बेटा श्रेश कुमार राजस्थान में ज्यूडिशियल सर्विस की परीक्षा दे रहा था सुमित को श्रेश के जज लगने की एवज में 60 लाख रुपए वो दे चुका था लेकिन रिजल्ट में श्रेश का नाम नहीं आने पर ललित ने सुमित से पैसे वापिस देने के लिए जिसके बाद सुमित ने ललित को 20 लाख रुपए वापिस दे दिए और बाकि 40 लाख रुपए देने से मुकर गया। ललित ने इसके बाद सिविल पुलिस लाइन स्टेशन में सुमित कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। सुमित ने पिता ललित और पुत्र श्रेश से 1.60 करोड़ में डील की थी पहले 60 लाख रुपए नकद देने की बात पर सहमति हुई थी और उसके बाद जज लगने के बाद 1 करोड़ रुपए देने पर दोनों पक्षों में सहमति हुई थी। मुख्य आरोपी सुमित भंडारी निवासी हुडा सेक्टर-20 सिरसा प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है। खन्ना कॉलोनी के ललित कुमार ने शिकायतमें बताया कि बेटा श्रेश कुमार राजस्थान ज्यूडिशियल सर्विस की परीक्षा दे रहा था। सुमित भंडारी से जान पहचान थी। सुमित ने दावा किया कि उसकी राजस्थान हाई कोर्ट व दिल्ली में ऊंची पहुंच है वह श्रेश को जज लगवा देगा। उसने जज लगवाने के एवज में कुल 1 करोड़ 60 लाख रुपए मांगे। पहले 60 लाख रुपए नकद देने और बाकी के 1 करोड़ बाद में देने की बात तय हुई। ललित कुमार ने 60 लाख रुपए सुमित को दे दिए। रिजल्ट में श्रैश का नाम नहीं आया जब सुमित से पैसे वापस मांगे तो 20 लाख रुपए लौटाए। बाकी 40 लाख रुपए देने से मना कर दिया। सिरसा के सिविल लाइन थाने में तीनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम व धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। वही इस मामले में डीएसपी हेडक्वार्टर अर्शदीप सिंह ने बताया कि राजस्थान में एक व्यक्ति को जज लगवाने के नाम पर सिरसा के एक व्यक्ति ने 1 करोड़ 60 लाख की डिमांड की थी जिसमें से 60 लाख रुपए दे दिए गए थे लेकिन परीक्षा (लिस्ट) में एक व्यक्ति का नाम नहीं आने पर पीड़ित व्यक्ति ने सिविल पुलिस लाइन स्टेशन में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की गई है

संक्षिप्त समाचार

हथियार के साथ स्कूल में आए बदमाश, 25 लड़कियों को उठाकर ले गए ; नाइजीरिया में क्या हो रहा?

अबुजा, एजेंसी। अफ्रीका के नाइजीरिया में एक चौंकाने वाली घटना ने सबको हैरान कर दिया है। देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित एक हाईस्कूल पर सशस्त्र हमलावरों ने धावा बोल दिया और 25 लड़कियों का अपहरण कर लिया। पुलिस के अनुसार, इस स्कूल अपहरण कांड में एक कर्मचारी की गोलीबारी में मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। उत्तरी नाइजीरिया में बढ़ते अपहरणों के बीच यह घटना अभी किसी संगठन ने स्वीकार नहीं की है। पुलिस ने बताया कि यह हमला स्थानीय समय के अनुसार सोमवार सुबह करीब चार बजे हुआ। हथियारबंद अपराधी अचानक छात्रावास में घुस आए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। कुछ ही मिनटों में उन्होंने 25 छात्राओं को उनके बिस्तरों से खींचकर ले लिया और जंगल की ओर फरार हो गए। घटनास्थल पर एक कर्मचारी को गोली लगने से तत्काल मौत हो गई, वहीं दूसरे घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस के प्रवक्ता नफीउ अबुबकर कोटारकोशी ने बताया कि यह बोर्डिंग स्कूल केब्बी राज्य के डैंको-वासागु क्षेत्र के मागा गांव में है। उन्होंने कहा कि हमलावर आधुनिक हथियारों से लैस थे और अपहरण से पहले सुरक्षाकर्मियों पर गोली चलाई। फिलहाल, एक संयुक्त टास्क फोर्स संदिग्धों के भागने के रास्तों और आसपास के जंगलों में तलाशी अभियान चला रही है।

जी20 में अमेरिका के शामिल न होने से द.अफ्रीका पर पड़ेगा असर

केप टाउन, एजेंसी। जी20 लीडर्स समिट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शामिल न होने से मेजबान देश दक्षिण अफ्रीका के लिए दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने यह चेतावनी दी है। ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका सरकार पर श्वेत रंग के किसानों के खिलाफ जनसंहार का आरोप लगाते हुए सम्मेलन में भाग न लेने का एलान किया था। इसके बाद राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने एलान किया कि 22-23 नवंबर को होने वाला जी20 समिट जारी रहेगा।

पीपीपी सांसद राजा फैसल बने पाक अधिकृत कश्मीर के नए पीएम

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सांसद राजा फैसल मुमताज राठौर को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) का नया प्रधानमंत्री चुना गया है। सोमवार को तहरीक-ए-इंसाफ के मौजूदा प्रधानमंत्री चौधरी अनवारुल हक के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया गया। यह प्रस्ताव पीपीपी सांसद कासिम मजीद ने पेश किया था। राठौर ने पीपीपी के 27 और पीएमएल-एन के 9 सांसदों का समर्थन हासिल किया। 52 सदस्यों वाली सदन में यह चौथी बार है, जब 2021 में सरकार बनने के बाद किसी प्रधानमंत्री को बदला गया है।

श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद करने वाले चीनी विद्वान सम्मानित

शंघाई, एजेंसी। चीन के शंघाई में भारतीय महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने सोमवार को मशहूर चीनी विद्वान प्रो वांग झिचेंग को सम्मानित किया। माथुर ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, वांग ने चीनी भाषा में श्रीमद्भगवद्गीता का अनुवाद किया। उनका अनुवाद 2015 में प्रकाशित हुआ था। इसे 17 बार दोबारा छापा जा चुका है। माथुर ने आगे कहा कि इस साल प्रकाशित श्रीमद्भगवद्गीता का नवीनतम चीनी संस्करण चीनी पाठकों में खासा पसंद किया गया।

पाकिस्तान के शीर्ष बैंक ने नकद डॉलर लेन-देन पर लगाई रोक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने अमेरिकी डॉलर के बहिर्वाह (आउटफ्लो) को रोकने और पाकिस्तानी रुपया को गिरने से बचाने के लिए व्यक्तियों को दिए जाने वाले नकद डॉलर पर सीमा लगा दी है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) ने बैंकों को निर्देश दिया है कि जिन ग्राहकों के पास विदेशी मुद्रा अकाउंट नहीं है, उन्हें डॉलर का कोई नकद भुगतान न करें। एसबीपी ने एक्सचेंज डीलरों को भी ग्राहकों को 500 अमेरिकी डॉलर तक ही देने का निर्देश दिया है।

वियतनाम में भूस्खलन की चपेट में आई बस छह लोगों की मौत

हनोई, एजेंसी। वियतनाम के खतरनाक पर्वतीय दर्रे पर भूस्खलन एक बस मलबे में दब गई। घटना में 6 की मौत हो गई और 19 यल हो गए। अभी एक हफ्ते और भारी बारिश की चेतावनी है। रविवार देर रात मध्य पर्वतीय क्षेत्र में खांह ले दर्रे से गुजर रही बस पर अचानक मलबा और पत्थर गिर पड़े। करीब 33 किमी लंबा यह घुमावदार मार्ग खड़ी पहाड़ियों को काटकर बनाया गया है।

गाजा के लिए अमेरिका की योजना को यूएन की मंजूरी, अंतरराष्ट्रीय बल की तैनाती का रास्ता साफ

वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा के लिए अमेरिकी योजना को मंजूरी देकर अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की राह खोल दी है। ऐसे में अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को गाजा के लिए अमेरिकी योजना को मंजूरी दे दी, जिसमें एक अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल की तैनाती और भविष्य में फलस्तीनी राज्य की संभावित राह का जिक्र है। हालांकि दूसरी ओर रूस और चीन ने मतदान से दूरी बनाई, जबकि 13 देशों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। अमेरिका को उम्मीद थी कि बता दें कि दो साल से चल रहे इस्राइल-हमास युद्ध के बाद यह प्रस्ताव गाजा में जारी नाजुक युद्धविराम को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। कई अरब और मुस्लिम देशों ने पहले ही संकेत दे दिया था कि वे गाजा में सुरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय बल भेजने में तभी हिस्सा लेंगे, जब सुरक्षा परिषद से इसकी औपचारिक अनुमति मिल जाए।

अमेरिकी प्रस्ताव में क्या-क्या : ज्यादा रोचक बात ये है कि अमेरिकी प्रस्ताव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20 बिंदुओं वाली युद्धविराम योजना को समर्थन दिया गया है। इसके तहत 'बोर्ड ऑफ पीस' नाम की एक अस्थायी प्राधिकरण का गठन होगा, जिसकी अगुवाई खुद ट्रंप करेंगे। यह बोर्ड और सुरक्षा बल गाजा की सीमाओं की निगरानी, सुरक्षा व्यवस्था और क्षेत्र के हथियारमुक्त जैसे व्यापक काम

संभालेंगे। इन सबकी अनुमति 2027 के अंत तक लागू रहेगी।

फलस्तीनी राज्य पर मजबूत भाषा, अरब देशों की मांग के बाद बदलाव : इसके इतर लगभग दो हफ्तों तक चली बातचीत में अरब देशों और फलस्तीनियों ने अमेरिका पर दबाव डाला कि फ़लस्तीनी आत्मनिर्णय पर भाषा को और स्पष्ट और मजबूत बनाया जाए। इसके बाद संशोधित प्रस्ताव में यह कहा गया कि जब फलस्तीनी प्राधिकरण (पीए) जरूरी सुधार कर लेगा और जब गाजा का पुनर्निर्माण आगे बढ़ेगा, तो फलस्तीनी आत्मनिर्णय और राज्य की ओर एक विश्वसनीय रास्ता तैयार हो सकता है। मामले में अमेरिका ने यह भी कहा कि वह इस्राइल और फलस्तीन के बीच बातचीत शुरू करेगा ताकि शांतिपूर्ण और समृद्ध सह-अस्तित्व का राजनीतिक ढांचा बनाया जा सके।

फलस्तीनी राज्य को लेकर नेतन्याहू का विरोध जारी : इन प्रस्वातों से इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नाराजगी खुलकर सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह फलस्तीनी राज्य की स्थापना का विरोध करेंगे। उनका तर्क है कि यह कदम हमास को इनाम देने जैसा होगा और आगे चलकर इस्राइल की सीमा पर एक और बड़ा हमास-नियंत्रित राज्य बन सकता है।

प्रस्वात को अरब देशों का समर्थन : गौरतलब है कि अमेरिका को प्रस्ताव पारित कराने में अरब और मुस्लिम देशों का समर्थन निर्णायक साबित हुआ। कतर, मिस्र, यूएई, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, जॉर्डन और तुर्की ने एक संयुक्त बयान जारी कर प्रस्ताव को जल्दी अपनाने की अपील की थी। कुल 13 देशों ने इसके पक्ष में वोट दिया, जबकि रूस और चीन ने वोटिंग में हिस्सा नहीं लिया। किसी भी देश ने विपक्ष में वोट नहीं किया। अमेरिका ने इसे ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम बताया।

क्या है प्रस्ताव में : इंटरनेशनल स्टेबलाइजेशन फोर्स की तैनाती की इजाज यह फोर्स इजराइल, मिस्र और नई ट्रेंड फिलिस्तीनी पुलिस के साथ मिलकर गाजा में सुरक्षा और सीमाओं की निगरानी करेगा। उग्रवादी संगठनों से हथियार सरेंडर करवाने में मदद करेगा। मानवीय सहायता की सुरक्षित आपूर्ति तय करेगा। 'बोर्ड ऑफ पीस' नाम से एक अंतरिम प्रशासन का गठन यह व्यवस्था 2027 के अंत तक चलेगी। इसमें ट्रम्प के अध्यक्ष रहने की संभावना बताई गई है। प्रस्ताव में पहली बार यह भी बताया गया है कि अगर फिलिस्तीनी प्रशासन सुधार करता है और गाजा का पुनर्निर्माण तेजी से होता है, तो भविष्य में फिलिस्तीन को एक अलग देश के रूप में बनने का रास्ता खुल सकता है। हालांकि इजराइल ने इस विचार को पूरी तरह खारिज कर दिया है। इस बीच रूस ने एक अलग प्रस्ताव रखा था, जिसमें टू स्टेट सॉल्यूशन की मांग की गई थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय फोर्स या नए प्रशासन की तुरंत इजाजत नहीं थी। दूसरी तरफ, अमेरिका को कतर, मिस्र, सऊदी अरब, यूएई, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, जॉर्डन और तुर्किये जैसे कई मुस्लिम देशों का समर्थन भी मिला।

फुटबाल विश्व कप देखने वालों अमेरिका जाने में होगी आसानी, ट्रंप ने 'फीफा पास' का किया अनवारण

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अगले साल होने वाले फुटबॉल विश्व कप के लिए आने वाले विदेशी यात्रियों की वीजा प्रक्रिया तेज करने के लिए 'फीफा पास' नाम की नई पहल शुरू की है। इस सुविधा के तहत वे लोग, जिन्होंने फीफा से विश्व कप मैचों के टिकट खरीदे हैं, उन्हें वीजा इंटरव्यू के लिए जल्दी समय मिल सकेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जो आम तौर पर कड़े आव्रजन रुख के लिए जाने जाते हैं, विश्व कप के लिए बढ़ रही दुनिया भर की यात्रा को देखते हुए यह व्यवस्था ला रहे हैं ताकि फुटबाल विश्व कप देखने के लिए अमेरिका आने वालों को आसानी हो सके। व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिले फीफा के अध्यक्ष फीफा के अध्यक्ष जियानी इंफांटिनो सोमवार को व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिले। उन्होंने बताया कि यह सिस्टम-जिसका पूरा नाम- 'प्रायोरटाइज्ड अप्वाइंटमेंटस शेड्यूलिंग सिस्टम' - टिकटधारकों को एक खास 'फीफा पोर्टल' के जरिये वीजा अप्वाइंटमेंट को प्राथमिकता दिलाएगा। इंफांटिनो ने कहा, 'अगर आपके पास विश्व कप का टिकट है, तो आपको वीजा के लिए प्राथमिकता मिलेगी... आपने खुद कहा था, मिस्टर प्रेसिडेंट- अमेरिका दुनिया का स्वागत करता है।' फुटबाल प्रेमियों से ट्रंप ने की खास अपील इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फुटबाल विश्व कप के प्रेमियों से अपील की कि वे 'जितनी जल्दी हो सके' वीजा के लिए आवेदन करें। वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि विश्व कप से पहले दुनिया भर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावासों में 400 से ज्यादा अतिरिक्त अधिकारी भेजे गए हैं ताकि बढ़ती मांग को संभाला जा सके। उनके मुताबिक, दुनिया के करीब 80% इलाकों में लोग 60 दिनों के भीतर वीजा इंटरव्यू पा सकते हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से बदला जा सकता है मैच का स्थान इस बातचीत के दौरान ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि अगर उन्हें किसी शहर की सुरक्षा को लेकर चिंता हुई, तो वे इंफांटिनो से कहेंगे कि वहां से मैच को दूसरी जगह शिफ्ट किया जाए। उन्होंने यह टिप्पणी सिएटल को लेकर की, जहां नई मेयर के रूप में केटी विल्सन, जो एक प्रगतिशील एक्टिविस्ट हैं, हाल ही में चुनी गई हैं। सिएटल अगले साल अमेरिका के 11 मेजबान शहरों में से एक है।इंफांटिनो ने इस मुद्दे पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा, लेकिन यह जरूर दोहराया कि 'विश्व कप की सफलता के लिए सुरक्षा सबसे अहम है' और टिकट बिक्री देखकर यह साफ है कि लोग अमेरिका पर भरोसा कर रहे हैं।

व्हाट्सएप मैसेज में की राष्ट्रपति मादुरो की आलोचना, 65 वर्षीय महिला को सुनाई गई 30 साल जेल की सजा

करकास, एजेंसी। वेनेजुएला की एक अदालत ने एक महिला डॉक्टर को व्हाट्सएप ऑडियो संदेश में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार की आलोचना करने के लिए 30 साल जेल की सजा सुनाई है। जानकारी के मुताबिक, 65 वर्षीय मार्गी ओरोज्को को 'देशद्रोह, घृणा भड़काने और षड्यंत्र' के लिए अधिकतम सजा सुनाई गई है, क्योंकि समुदाय के नेताओं ने उनके खिलाफ एक संदेश की शिकायत की थी, जिसे एक विश्वासघाती संदेश माना गया था।

अगस्त 2024 में गिरफ्तार की गई थी बुजुर्ग महिला : मामले में बुजुर्ग महिला मार्गी ओरोज्को को अगस्त 2024 में पश्चिमी शहर सैन जुआन डे कोलोन में गिरफ्तार किया गया था, जब मादुरो के पुनर्निर्वाचन के बाद वेनेजुएला संकट में था, जिसे विपक्ष और दर्जनों देशों ने धोखाधड़ी बताकर खारिज कर दिया था। उनके विवादित जीत के दावे के कारण विरोध प्रदर्शन हुए, जिसके परिणामस्वरूप 2,400 गिरफ्तारियां हुईं, हालांकि अधिकांश को कुछ ही महीनों में रिहा कर दिया गया।

बुजुर्ग को महिला को दो बार पड़ा दिल का दौरा : इन विरोध प्रदर्शनों के बाद, राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने समर्थकों से फासीवादियों की रिपोर्ट करने का आग्रह किया, यह शब्द अक्सर विपक्षी सदस्यों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। वेनेजुएला के जेईपी अधिकार एनजीओ के अनुसार, हिरासत में रहते हुए ओरोज्को को दो बार दिल का दौरा पड़ा है। वहीं एनजीओ फोरो पेनल का कहना है कि वेनेजुएला की जेलों में लगभग 882 राजनीतिक कैदी कैद हैं। इधर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वे वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई को पूरी तरह खारिज नहीं कर रहे, हालांकि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो से बात करने की संभावना भी खुली रखी है। ट्रंप का आरोप है कि मादुरो की वजह से ड्रग्स और प्रवासियों की समस्या बढ़ी है। दूसरी ओर मादुरो ने भी कहा कि वे बातचीत के लिए तैयार हैं। इसी बीच अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर 'यूएसएस जेराल्ड आर फोर्ड' कैरेबियन पहुंचा है और ड्रग्स ले जाने वाले संदिग्ध जहाजों पर हमले तेज हुए हैं।

ब्रिटेन में शरण नीति में बड़ा और सख्त बदलाव, अस्थायी शरण और वीजा पेनल्टी होगी लागू; नई नीति में क्या-क्या?

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की शरण नीति में बड़ा बदलाव करते हुए प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर और गृह मंत्री शबाना महमूद ने संसद में नए, कड़े नियम पेश किए हैं। इसके तहत अस्थायी शरण 20 साल तक सेटलमेंट की अवधि और अवैध लौटने वालों के लिए देशों पर वीजा पेनल्टी जैसी सख्त मेडिडास लागू होंगी। मामले में सरकार का कहना है कि इससे अवैध प्रवास रोका जाएगा और असली शरणार्थियों के लिए सुरक्षित, न्यायपूर्ण रास्ते खुलेंगे।

पीएम स्टार्मर ने इस मामले में कहा कि देश की मौजूदा शरण व्यवस्था अवैध रूप से आने वाले लोगों के लिए बड़ा आकर्षण बन गई है। इसे रोकने के लिए गृह मंत्री शबाना महमूद ने संसद में नए कड़े सुधार पेश किए हैं।

पीएम स्टार्मर ने बड़े बदलावों पर दिया जोर : संसद में बयान से

पहले जारी एक विस्तृत नीति दस्तावेज में स्टार्मर ने कई बड़े बदलावों की बात कही है, जैसे कि शरण पाने वालों को स्थायी निवास (सेटलमेंट) मिलने में अब 20 साल तक इंतजार करना पड़ सकता है। वहीं जो देश ब्रिटेन में अवैध तरीके से आए अपने नागरिकों को वापस नहीं लेते, उनके लिए वीजा पेनल्टी लगेगी। स्टार्मर ने कहा कि मौजूदा सिस्टम मानव तस्करी को बढ़ावा देता है और कई लोग, जो कानूनी तौर पर ब्रिटेन आते हैं, बाद में शरण लेने की कोशिश करने लगते हैं। उनके मुताबिक, अगर चैनल पार करके आने वालों की संख्या कम करनी है और शरण प्रणाली को न्यायपूर्ण बनाना है, तो कड़े नियम जरूरी हैं।

नई नीति में क्या-क्या : ऐसे में नई नीति के अनुसार शरण मिलने पर दर्जा अस्थायी होगा, जब तक कि व्यक्ति अपने देश लौटने के लिए सुरक्षित न हो जाए। जिन शरणार्थियों के पास संपत्ति है, उन्हें अपने रहने का कुछ खर्च खुद देना होगा। जब सिस्टम पर नियंत्रण स्थापित होगा, तब सुरक्षित और कानूनी रास्तों से सीमित संख्या में शरणार्थियों को आने की अनुमति दी जाएगी।

डेनमार्क जैसी मॉडल कैसे अपनाएगा ब्रिटेन : संसद में बयान देते हुए गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा कि यूके अब डेनमार्क जैसी सख्त मॉडल को अपनाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब सिर्फ आने वालों की संख्या कम करना काफी नहीं है, जिन्हें रहने का अधिकार नहीं है उनकी वापसी भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि हाल के महीनों में कुछ असफल शरण मांगने वालों को स्वैच्छिक रूप से सीरिया भेजा गया है। महमूद ने घोषणा की कि अंगोला, कांगो और नामीबिया को पहली बार वीज़ा पेनल्टी वाली सूची में रखा गया है। बाद में और देशों को भी इसमें जोड़ा जाएगा।

क्या कहते है गृह मंत्रालय के आंकड़े : गौरतलब है कि गृह मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2021 से अब तक चार लाख से ज्यादा लोग ब्रिटेन में शरण मांग चुके हैं, लेकिन अवैध रूप से आए लोगों को वापस भेजने की प्रक्रिया उसी गति से नहीं बढ़ी है। महमूद के अनुसार, इस समय एक लाख से अधिक लोग सरकारी खर्च पर शरण आवासों में रह रहे हैं।

ताइवान को लेकर चीन-जापान के बीच भारी तनाव

जापानी प्रधानमंत्री बोलीं- हमला हुआ तो सेना भेजेंगे, चीनी राजदूत बोले- दखल देने वालों की गर्दन काट देंगे

बीजिंग/टोक्यो, एजेंसी। जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची के ताइवान पर दिए बयान से चीन और जापान के बीच तनाव बढ़ गया है। दरअसल साने ताकाइची ने 7 नंवबर को कहा था कि अगर चीन ने ताइवान पर हमला किया तो जापान मदद के लिए अपनी सेना भेजेगा। चीन ने इस बयान को बेहद गैर-जिम्मेदार और उकसाने वाला करार दिया। इसके अगले ही दिन विवाद और बढ़ गया जब ओसाका में चीन के काउंसल जनरल शुए जियान ने एक्स पर लिखा कि वह इस मामले में दखल देने वाले की गर्दन काट देंगे।

इसके बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के राजदूतों को तलब किया। चीन ने अपने नागरिकों को जापान न जाने के लिए आगाह किया है और चेतावनी दी है कि वहां जाने पर उन्हें खतरे का सामना करना पड़ सकता है।

अमेरिका बोला- जापान की रक्षा करेंगे : बिगड़ते माहौल के बीच, रविवार को चीनी कोस्ट गार्ड के जहाज जापान के कंट्रोल वाले सेनकाकू आइलैंड के पास दिखाई दिए थे। इसके बाद जापान के कोस्ट गार्ड ने उन्हें इलाके से बाहर किया था। अमेरिका ने क्लियर किया कि जापान-अमेरिका सुरक्षा समझौते के तहत अगर इन द्वीपों पर हमला होता है, तो अमेरिका जापान की रक्षा करेगा। वहीं, चीन के फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स ने कुछ जापानी फिल्मों की रिलीज रोक दी है। चीनी सरकारी टीवी सीसीटीवी ने कहा कि यह घरेलू माहौल को देखते हुए यह फैसला सावधानी से लिया गया है।

चीनी मीडिया बोला- ताइवान मुद्दे में जापान बेवजह दखल दे रहा : चीन के सरकारी मीडिया का कहना है कि जापान ताइवान मुद्दे में बेवजह दखल दे रहा है और ऐसा करके खुद अपने देश को खतरे में डाल रहा है। एक न्यूज एडिटोरियल में यह भी लिखा गया कि अगर जापान की सेना ने इस मामले में दखल दिया तो पूरे क्षेत्र को नुकसान झेलना पड़ेगा। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है, जबकि जापान और अमेरिका ताइवान को स्वतंत्र देश की तरह मान्यता तो नहीं देते, लेकिन अमेरिका उसकी सुरक्षा में मदद करता है और उस पर किसी भी जबरन कब्जे का विरोध करता है। ताइवान जापान से सिर्फ 110 किलोमीटर दूर है। ताइवान के आसपास का समुद्री क्षेत्र जापान के लिए बेहद अहम है, क्योंकि यह उसका एक महत्त्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग है। साथ ही, जापान में दुनिया में सबसे बड़ा अमेरिकी सेना का विदेशी ठिकाना भी मौजूद है। जापानी सरकार ने चीन में रह रहे अपने नागरिकों को भीड़-भाड़ वाली जगहों से बचने को कहा है। जापान के कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने बताया कि हाल के डिप्लोमेटिक विवादों के बाद चीनी मीडिया में जापान को लेकर माहौल खराब हुआ है, इसलिए यह नया सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। जापान के सुरक्षा अलर्ट में कहा गया है कि अनजान लोगों से बातचीत में सावधानी बरतें, अकेले ट्रैवल न करें, बच्चों के साथ बाहर जाते समय सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध इंसान या ग्रुप को देखकर तुरंत दूर चले जाएं।

सऊदी अरब से बड़ी डील कर रहे ट्रंप को चीन की चिंता, कौन सा सीक्रेट लीक होने का है डर

वाशिंगटन, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वॉशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वह इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेंगे। हालांकि, ट्रंप प्रशासन में इस बात को लेकर चिंता है कि इस तरह की बिक्री से चीन को उन्नत हथियार प्रणाली के पीछे की अमेरिकी प्रौद्योगिकी तक पहुंच मिल सकती है।

जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को ये विमान बेचेंगे तो उन्होंने कहा, 'मैं कहूंगा कि हम ऐसा करेंगे। हम एफ-35 बेचेंगे।' उन्होंने कहा, 'वे हमारे लिए एक महत्वपूर्ण सहयोगी रहे हैं। यह सात वर्षों से अधिक समय में क्राउन प्रिंस की पहली अमेरिका यात्रा होगी इसलिए उम्मीद की जा रही है कि वह अपनी इच्छाओं और मांगों की एक सूची लेकर आएंगे, जिसमें ट्रंप से अपने देश के लिए अमेरिकी सैन्य सुरक्षा के दायरे को परिभाषित करने का औपचारिक आश्वासन हो सकता है। साथ ही अमेरिका में निर्मित दुनिया के सबसे उन्नत विमानों में से एक एफ-35 लड़ाकू विमान खरीदने का समझौता शामिल है।

चिंता में भी है ट्रंप सरकार : तीन प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि रिपब्लिकन प्रशासन यह नहीं चाहता कि इस लड़ाकू विमान के सौदे से इजरायल की उसके पड़ोसियों के बीच गुणात्मक सैन्य बढ़त कम हो। खासतौर से ऐसे वक्त में जब ट्रंप अपनी गाजा शांति योजना की सफलता के लिए इजरायली समर्थन पर निर्भर हैं।

उन्होंने कहा कि एक और दीर्घकालिक चिंता यह भी है कि सौदे के बाद एफ-35 प्रौद्योगिकी चीन द्वारा चुराई जा सकती है या किसी तरह चीन को हस्तांतरित की जा सकती है। क्योंकि उसके संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब दोनों के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। ट्रंप की यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब वह सऊदी अरब और इजरायल को उनके आपसी संबंध सामान्य बनाने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं।

'फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज' में सैन्य और राजनीतिक शक्ति केंद्र के वरिष्ठ निदेशक ब्रैडली बोमन ने कहा, 'उम्मीद है कि राष्ट्रपति ट्रंप यह स्पष्ट कर देंगे कि पहला एफ-35 तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक सऊदी अरब इजरायल के साथ संबंध सामान्य नहीं कर लेता। वरना राष्ट्रपति अपनी ही पकड़ कम कर लेंगे।

शेख हसीना मामले में ट्रिब्यूनल की कार्यवाही न निष्पक्ष-न न्यायसंगत', मानवाधिकार संगठन की दो टूक

ढाका, एजेंसी। मानवाधिकार से जुड़े मामलों में सबसे अग्रणी संस्थाओं के तौर पर शुमार एमनेस्टी इंटरनेशनल ने बांग्लादेश में शेख हसीना को फांसी की सजा सुनाए जाने के फैसले का विरोध किया है। ब्रिटेन आधारित इस संस्था ने कहा है कि हसीना और उनके कार्यकाल में गृह मंत्री की भूमिका निभाने वाले असदुज्जमां खान के खिलाफ ट्रिब्यूनल की कार्यवाही न तो निष्पक्ष थी और न ही न्यायसंगत थी। दूसरी तरफ हसीना की सजा को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की मानवाधिकार एजेंसी- यूएनएचआरसी ने चिंता जताई है। यूएनएचआरसी ने इस मामले में तय प्रक्रिया, निष्पक्ष सुनवाई के मानकों पर जोर दिया और साथ ही मौत की सजा का पूर्ण विरोध किया है।

क्या है एमनेस्टी इंटरनेशनल का बयान : गौरतलब है कि बांग्लादेश में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और असदुज्जमां को मौत की सजा सुनाई थी। उन्हें पिछले साल जुलाई में हुए विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी करार दिया गया। हालांकि, मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटों बाद जारी एक बयान में, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा- 'शेख हसीना को मौत की सजा सुनाने से 2024 के नरसंहार के पीड़ितों को न्याय नहीं मिलेगा।'

एजेंसी की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने कहा, 'जुलाई और अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए घोर उल्लंघनों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोपों के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार लोगों की जांच की जानी चाहिए और निष्पक्ष सुनवाई के जरिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। हालांकि, न तो यह कार्यवाही और न ही सजा कहीं से भी निष्पक्ष और न्यायोचित है।' मानवाधिकार संगठन ने इस

मामले की जांच-सुनवाई की अभूतपूर्व गति का हवाला देते हुए शेख हसीना की ट्रायल के दौरान गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाया और कहा कि न्यायाधिकरण का फैसला इस स्तर और जटिलता के मामले में निष्पक्ष जांच पर चिंता और संदेह पैदा करता है। बयान में आगे कहा गया, 'शेख हसीना का प्रतिनिधित्व अदालत की ओर से नियुक्त एक वकील ने किया था, फिर भी बचाव पक्ष को तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। हसीना के खिलाफ अनुचित मुकदमे का संदेह उन रिपोर्ट्स से और भी बढ़ जाता है, जिनमें कहा गया है कि बचाव पक्ष को विरोधाभासी माने जाने वाले सबूतों पर जिरह करने की इजाजत नहीं दी गई।' एमनेस्टी के मुताबिक, यह निष्पक्ष सुनवाई नहीं थी। जुलाई 2024 को हुई हिंसा के पीड़ितों को बेहतर नतीजे मिलने थे। संस्था ने कहा कि उन पीड़ितों को न्याय मिलना चाहिए था, लेकिन मौत की सजा सीधे तौर पर मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

संयुक्त राष्ट्र ने भी सजा का विरोध किया : संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय की प्रवक्ता रवीना शमदासानी ने एक बयान में कहा कि शेख हसीना को सजा का फैसला पिछले साल के विरोध प्रदर्शनों के बीच दमन झेलने वाले पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने आगे कहा, 'हम इस मुकदमे को चलाए जाने क तरीकों से अवगत नहीं थे। लेकिन हम अंतरराष्ट्रीय अपराधों के आरोपों पर जवाबदेही की लगातार वकालत करते रहे हैं, ताकि वे बिना किसी विवाद के उचित प्रक्रिया और निष्पक्ष सुनवाई के अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा कर सकें।

आईसीसी रैंकिंग: रोहित शर्मा ने गंवाया शीर्ष स्थान, न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने दिया झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष वनडे रैंकिंग के नए अपडेट में न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल ने रोहित शर्मा को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है जबकि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में मैच जिताऊ शतक जड़ने के बाद मिशेल 1979 में ग्लेन टर्नर के बाद पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले न्यूजीलैंड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

कमर की चोट के कारण सीरीज से बाहर होने से पहले मिशेल ने 118 गेंदों में 119 रनों की पारी खेली, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। इस पारी ने उन्हें अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान और रोहित से एक रेटिंग अंक से आगे कर दिया है जिससे रैंकिंग में शीर्ष पर रोहित का 22 दिनों का संक्षिप्त दबदबा समाप्त हो गया। टर्नर 46 साल पहले नंबर एक स्थान पर पहुंचने वाले आखिरी न्यूजीलैंडर थे, जबकि नाथन एस्टल, रॉस टेलर और केन विलियमसन जैसे अन्य गेंदबाज रैंकिंग में तीसरे स्थान तक पहुंच गए हैं।

इस बीच पाकिस्तान के बाबर आजम रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 102 रनों की पारी खेलकर छठे स्थान पर पहुंच गए जबकि उनके साथी मोहम्मद रिजवान और फखर जमान श्रृंखला में दो-दो अर्धशतक लगाने के बाद क्रमशः 22वें और 26वें स्थान पर पहुँच गए हैं। गेंदबाजी में पाकिस्तान के लेग स्पिनर अबरार अहमद ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ 9वां स्थान हासिल किया है। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज़ हारिस राउफ 5 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि वेस्टइंडीज के जेडन सील्स (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर) और रोस्टन चेज (12 स्थान ऊपर चढ़कर 46वें स्थान पर) ने भी रैंकिंग में सुधार किया है।

टेस्ट की बात करें तो बुमराह ने ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में एक पांच विकेट सहित कुल छह विकेट लेकर टेस्ट रैंकिंग में नंबर एक गेंदबाज के रूप में अपना स्थान बरकरार रखा है। कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा को भी फायदा हुआ है, कुलदीप दो स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर और जडेजा चार स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर आ गए हैं।

ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर ने भी ईडन गार्डन्स में मैच विजयी 8 विकेट लेने के बाद 20 स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 24वें स्थान पर पहुंचकर महत्वपूर्ण लाभ कमाया। कम स्कोर वाले कोलकाता टेस्ट की दूसरी पारी में नाबाद 55 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो (चार स्थान ऊपर चढ़कर 34वें स्थान पर) और महमूदुल हसन जॉय (19 स्थान ऊपर चढ़कर 74वें स्थान पर) ने अपने शतकों की बदौलत टीम को सिलहट में

आयरलैंड पर पारी की जीत दिलाने के बाद लाभ कमाया है। आयरलैंड के सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग 96वें से 80वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

पुरुषों की टी20आई खिलाड़ी रैंकिंग में न्यूजीलैंड के टिम रॉबिन्सन की वेस्टइंडीज के खिलाफ अंतिम मैच में 45 रनों की पारी ने उन्हें आठ स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वश्रेष्ठ 15वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है। तेज गेंदबाज जैकब डफी तीसरे से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि मिशेल सैंटनर (पांच स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) और मोहम्मद नवाज (चार स्थान ऊपर चढ़कर 27वें स्थान पर) ने भी पुरुषों की टी20आई गेंदबाज रैंकिंग में सुधार किया है।

लक्ष्य और प्रणय सहित पांच भारतीय खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

सिडनी(एजेंसी)। लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय सहित 5 भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार शुरुआत करते हुए बुधवार को यहां 475,000 डॉलर इनामी ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य ने चीनी ताइपे के सु ली यांग को 21-17, 21-13 से हराया, जबकि इस प्रतियोगिता में 2023 के उपविजेता प्रणय ने खराब शुरुआत से उबरते हुए पहले दौर के मैच में दुनिया के 85वें नंबर के खिलाड़ी योहानेस सौत मार्सेलिनो को 57 मिनट में 6-21, 21-12, 21-17 से हराया। लक्ष्य का अगला मुकाबला ची यू जेन या वांग त्जु वेई से होगा जबकि प्रणय इंडोनेशिया के आठवें वरीय अल्वी फरहान से भिड़ेंगे।

विश्व के 32वें नंबर के खिलाड़ी और इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिकी ओपन में अपना पहला सुपर 300 खिताब जीतने वाले आयुष शेट्टी ने कनाडा के सैम युआन को 33 मिनट में 21-11, 21-15 से पराजित किया। कर्नाटक के इस 20 वर्षीय खिलाड़ी का सामना दूसरे दौर में जापान के चौथे वरीय कोडाई नाराओका से होगा। मकाऊ ओपन के सेमीफाइनलिस्ट थारुण मन्नेपल्ली ने डेनमार्क के मैग्नस योहानसन को 66 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 17-21, 21-19 से हराया।

राष्ट्रीय खेल 2023 के स्वर्ण पदक विजेता मन्नेपल्ली का अगला मुकाबला चीनी ताइपे के पांचवें वरीय लिन चुन-यी से होगा। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता अनुभवी किदांबी श्रीकांत भी 64 मिनट तक चले मुकाबले में चीनी ताइपे के ली चिया हाओ को 21-19, 19-21, 21-15 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। इस वर्ष के शुरू में मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे श्रीकांत का अगला मुकाबला जापान के शोगो ओगावा या एडवर्ड लाउ से होगा।

इस बीच किरण जॉर्ज को कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद जापान के छठी वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो से 21-11, 22-24, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। निशिमोतो ने पिछले सप्ताह जापान मास्टर्स के सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन को हराया था। मोहित जगलान और लक्षिता जगलान की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को एक अन्य मैच में कनाडा के नाइल याकुरा और क्रिस्टल लाई ने 12-21, 16-21 से हराकर बाहर कर दिया।

रिंकू ने रणजी में एक और शतक लगाया, टेस्ट टीम में जगह के लिए दावेदारी पेश की

-फर्स्ट क्लास क्रिकेट में नौवां शतक लगाया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे आक्रामक बल्लेबाज रिंकू सिंह ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करते हुए उत्तर प्रदेश की ओर से शानदार शतक लगाया है। ये रिंकू का इस सत्र का दूसरा शतक है। रिंकू ने तमिलनाडु के खिलाफ ये शतक लगाया है। इस शतक के साथ ही फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अपना नौवां शतक लगाकर रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी अपनी दावेदारी पेश की है।

रिंकू ने यह शतक चौथे दिन के खेल के दौरान लगाया। इस दौरान उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के भी लगाये। रिंकू का ये रणजी सत्र का दूसरा शतक है। इससे पहले रिंकू ने आंध्र के खिलाफ नाबाद 165 रन बनाये थे। इस दौरान कोई भी गेंदबाज उन्हें आउट नहीं कर पाया था। रिंकू ने 273 गेंदों में 60 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 13 चौके और दो छक्के भी लगाए थे।

रिंकू ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में लगातार अच्छी पारियां खेली हैं। फर्स्ट क्लास में नौवां शतक लगाने के साथ ही रिंकू ने भारतीय टेस्ट टीम के लिए भी दावेदारी पेश की हैं। देखना यह होगा कि रिंकू को कब अवसर मिलता है। ऐसे में उनके प्रदर्शन पर चयनकर्ताओं की भी नजर रहेंगी। रिंकू मध्यक्रम में भारतीय टीम की बल्लेबाजी को मजबूत बना सकते हैं। टीम इंडिया के लिए यह बल्लेबाज एकदिवसीय और टी20 टीम में धमाल मचा रहे हैं।

रिंकू ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में 51 मैचों की 73 पारियों में 3501 रन बनाए हैं। उनका औसत 57.39 का है, जबकि 70 के स्ट्राइक रेट से फर्स्ट क्लास में रिंकू ने 22 अर्धशतक भी लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 165 रन रहा है। उनके नाम 401 चौके और 41 छक्के हैं।

अब दो से तीन दिन में टेस्ट समाप्त हुआ तो टीमों के अंक काट सकती है आईसीसी !

-विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों में भेज सकती है अपने क्यूरेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जिस प्रकार से हाल में पिच या किसी अन्य कारण से कुछ टेस्ट मैच दो या तीन दिनों में ही समाप्त हो रहे है। उसे क्रिकेट की शीर्ष संस्था (आईसीसी) भी चिन्तित है। आईसीसी अब विचार कर रही है कि अब जो भी मैच कम दिनों में समाप्त होंगे उसमें टीमों के मैच अंक काटे जायें। वहीं ये बात चल रही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप मैचों में अब आईसीसी को अपने क्यूरेटर भेजने चाहिये। हाल में जिस प्रकार से सिडनी और अब कोलकाता में टेस्ट मैच तीन दिनों में समाप्त हुए हैं उसे टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं माना जा रहा है।

जनवरी 2025 में सिडनी की पिच बेहद ख़राब थी। बहुत वहीं जनवरी 2024 में केप टाउन का मैच दो दिनों में खत्म हो गया था। जो याद रहता है वह यह कि ऑस्ट्रेलिया ने एससीजी में जीत दर्ज कर सीरीज़ 3-1 से अपने नाम की, और भारत ने न्यूलैंड्स में दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 55 रन पर ऑल आउट कर हराया। न्यूलैंड्स की पिच से आईसीसी संतुष्ट नहीं है। इसके बावजूद टीमें अपनी पसंद की पिचें तैयार करवाती रही हैं, जिससे पांच दिन के टेस्ट मुकाबले तीन दिनों में सिमट जाते हैं। घरेलू हालातों से होने वाले लाभ से किसी को कोई परेशानी नहीं है। यही टेस्ट क्रिकेट की खूबसूरती है। टर्नर पिचों या हरे मैदानों से भी किसी को आपत्ति नहीं है पर टेस्ट मैच ढाई दिन में समाप्त होना किसी को भी पसंद नहीं है। हाल ही में भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज़ रोमांचक इसलिए थी क्योंकि हर मैच पांचवें दिन तक गया। कम से कम मैच चौथे दिन तक तो पहुँचना ही चाहिए। यही खेल को 150 वर्षों से बनाए हुए है, और कोई इसे कम नहीं कर सकता। कुछ भी हो, मैच जीतने की चाह और टेस्ट को दो दिन में खत्म होने से बचाने के बीच संतुलन ज़रूरी है। क्यूरेटर्स को यह अधिकार होना चाहिए कि अगर उन पर दबाव डाला जा रहा हो तो वे अपनी बात रख सकें, और आईसीसी को आगे आकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तीन दिन से कम चलने वाले टेस्ट मैच टीमों के खिलाफ गिने जाएं। खासतौर पर डब्लूटीसी में बेहतर क्यूरेटर होना चाहिए तभी टेस्ट मैचों का भविष्य रहेगा।

होप ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ मैच में बनाये कई रिकार्ड, लारा की बराबरी की

नेपियर (एजेंसी)। वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के कप्तान शाई होप ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसी मैच में शतकीय पारी खेलकर एक साथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं। इस पारी के साथ ही उन्होंने दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा के 19 एकदिवसीय शतकों के रिकार्ड की भी बराबरी कर ली। होप अब टेस्ट खेलने वाली हर टीम के खिलाफ शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। होप ने कठिन पिच पर बेहद संयम के साथ बल्लेबाजी करते हुए आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 109 रन बनाये। अब वेस्टइंडीज के क्रिस गेल ही ही 25 शतक लगाकर उनसे आगे हैं। यह शतक न्यूज़ीलैंड के खिलाफ उनका पहला था, जिससे उन्होंने सभी टीमों के विरुद्ध शतक मारने की उपलब्धि पूरी कर ली इस मुकाबले के दौरान शाई होप ने अपने 6000 एकदिवसीय रन पूरे किये। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे सबसे तेज़ बल्लेबाज और दुनिया के 9वें बल्लेबाज हैं। इस मामले में पहले नंबर पर हाशिम अमला है जिन्होंने केवल 123 पारी में 6000 एकदिवसीय रन बनाये थे। विकेटकीपर कप्तान के तौर पर होप का यह छठा शतक है। ऐसा कर उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी की बराबरी कर ली है।

सिमथ को लगी गेंद पर पहला टेस्ट खेलेंगे

पर्थ। एशेज क्रिकेट सीरीज से ठीक पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम की धड़कनें तब बढ़ गयीं जब टेस्ट के लिए कप्तान बनाये गये स्टीव स्मिथ को एक गेंद लग गयी। स्मिथ को अभ्यास के दौरान ही कलाई में ये गेंद लगी थी।

जिसके बाद फिजियो ने उनका इलाज किया। टीम ने तब राहत की सांस ली जब थोड़े समय बाद ही स्मिथ मैदान पर लौटे और बल्लेबाजी करते दिखे। ऐसे में माना जा रहा है कि शुक्रवार से शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट में वह खेलेंगे। गौरतलब है कि स्मिथ एशेज में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 37 एशेज टेस्ट में 3,417 रन बनाए हैं, उनके 12 शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। इस साल उन्होंने छह टेस्ट में 515 रन बनाए हैं और उनका औसत 51.50 रहा है। नियमित कप्तान पैट कमिंस के घायल होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले एशेज टेस्ट में स्मिथ की कप्तानी में उतरेगी। कमिंस दूसरे टेस्ट में वापसी कर सकते हैं।

विश्व कप का प्रभाव : हरमनप्रीत कौर का ब्रांड पोर्टफोलियो तीन गुना होने की उम्मीद

नई दिल्ली। विश्व कप जीतने के बाद विभिन्न ब्रांड भारतीय महिला क्रिकेटरों में भी दिलचस्पी दिखाने लग गए हैं। इन खिलाड़ियों में कप्तान हरमनप्रीत कौर भी शामिल हैं, जिनके विज्ञापन पोर्टफोलियो में आने वाले महीनों में तीन गुना वृद्धि होने की उम्मीद है। नवी मुंबई में खेले गए फाइनल में नादिन डी क्लार्क का कैच लेकर भारत को दक्षिण अफ्रीका पर जीत दिलाने वाली हरमनप्रीत विश्व कप से पहले आठ से ज्यादा ब्रांड से जुड़ी थीं लेकिन उनकी मैनेजर नूपुर कश्यप ने बताया कि अब यह बदलाव आ रहा है। कश्यप ने कहा, 'विश्व कप से पहले हरमनप्रीत आठ दस ब्रांड से जुड़ी थी लेकिन विश्व कप के बाद उनकी कीमत और ब्रांड की संख्या में तीन गुना वृद्धि होने की उम्मीद है। गैर-खेल पारंपरिक क्षेत्र के ब्रांड उनसे संपर्क कर रहे हैं और उनके साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं।' कश्यप ने कहा कि 2017 का फाइनल भारत में महिला क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी, लेकिन आठ साल बाद खिताबी जीत ने खेल की लोकप्रियता और ब्रांड की रुचि को दूसरे स्तर पर पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा, 'खिलाड़ियों की बिजनेस मैनेजर होने के कारण मैंने देखा है कि विशेष कर विश्व कप जीतने के बाद महिला क्रिकेट में रुचि और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले महिला खिलाड़ियों को कुछ ब्रांड तक सीमित रखा जाता था लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब हम मानसिकता में बहुत बदलाव देख रहे हैं।' कश्यप ने कहा, 'अब स्थिति बदल रही है और ब्रांड महिला क्रिकेटरों को मजबूत, सक्षम और निपुण खिलाड़ियों के रूप में प्रदर्शित करने के महत्व को पहचानने लगे हैं। ऐसा करके वे न केवल महिला एथलीटों के बारे में सोच बदल रहे हैं, बल्कि अधिक समावेशी और सहायक खेल संस्कृति में भी योगदान दे रहे हैं।'

भारतीय टीम को डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने जीतने होंगे कम से कम 8 मैच

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब तक विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2026-27 सत्र के तीन मैच हार गयी है। दो बार डब्ल्यूटीसी का फाइनल खेलने वाली भारतीय टीम इस बार के चक्र में पहले 8 मैचों में से तीन मैच हार गयी है, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा है और चार मैच जीते हैं। ऐसे में अब भारतीय टीम को आगे के बचे हुए 10 मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम के पास अभी भी 10 मैच हैं जिसमें वह हालात बदल सकती है इसमें अगर वह आठ मैच जीतती है तो फाइनल में पहुंच जाएगी पर इससे कम में उससे काफी मुश्किलें होगी। अभी शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम अंक तालिका में 54 फीसदी के करीब मैच

जीतकर चौथे स्थान पर है। वहीं डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचने के लिए 64 से 68 फीसदी जीत हासिल करनी होगी। इससे साफ है कि टीम को अब अधिक से अधिक मैच जीतने होंगे।

अब एक हार भी टीम के लिए फाइनल की राह को कठिन बनाएगी। भारतीय टीम के बाकी बचे मैचों की बात करें तो अभी उसका एक मुकाबला दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होना शेष है, जबकि इसके बाद भारतीय टीम श्रीलंका में दो टेस्ट खेलने हैं और इतने ही टेस्ट मैचों न्यूजीलैंड में खेलेगी। इस प्रकार उसे 10 मैच खेलने हैं।

वहीं भारतीय टीम को घर पर ऑस्ट्रेलिया से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी होगी। इस उसके लिए जीत की राह आसन नहीं कही जा सकती है। अगर भारतीय टीम शेष बचे हुए 10 मैचों में से 8 मैच भी जीत जाती है तो फाइनल के लिए आसानी से क्वालीफाई कर जाएगा पर अगर उसे कम जीतती है तो उसकी परेशानी बढ़ जाएगी। ऐसे में उसका फाइनल में जगह बनाना अन्य टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर करेगा।

शानदार गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों का फीका प्रदर्शन, अफगानिस्तान से हारा भारत

बेंगलुरु। अफगानिस्तान ने बुधवार को यहां अंडर-19 त्रिकोणीय श्रृंखला के मैच में भारत बी को 71 रन से हरा दिया। भारत बी ने नमन पुष्पक (45 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी से अफगानिस्तान को 45.2 ओवर में 168 रन पर समेट दिया। भारत की ओर से इशान सूद ने भी 24 रन पर दो विकेट चटकाए। अफगानिस्तान की तरफ से फैजल शिनोजादा (58 रन, 76 गेंद, सात चौके) ने अर्धशतक जड़ा जबकि अजीजुल्लाह मेखिल ने 42 रन की उम्दा पारी खेली जिससे टीम सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रही। इसके जवाब में भारत बी की टीम सलामी बल्लेबाज युवराज गोहिल की 80 गेंद में आठ चौकों और एक छक्के से नाबाद 60 रन की पारी के बावजूद 29.3 ओवर में 97 रन पर ढेर हो गई। युवराज के अलावा भारत का कोई भी अन्य बल्लेबाज दोहरे अंक में नहीं पहुंच पाया। अफगानिस्तान की ओर से अब्दुल अजीज ने 36 रन देकर छह विकेट चटकाए जबकि सलाम खान (18 रन पर दो विकेट) और वहीदुल्लाह जादरान (12 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट हासिल किए। इस जीत से अफगानिस्तान की टीम के भारत ए के समान चार अंक हैं लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण वह शीर्ष पर है। पहले मैच में भारत ए के खिलाफ शिकस्त झेलने वाली भारत बी की टीम अंतिम स्थान पर है जिसे अपने अंकों का खाता खुलने का इंतजार है।

रबाडा का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध, किसी के बाहर रहने से फर्क नहीं

-जो भी उतरेगा उसे अपनी भूमिका पता है

मुम्बई (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा अभी तक अपनी पसलियों की चोट से नहीं उबरें हैं और ऐसे में उनका गुवाहाटी में भारत के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे टेस्ट में खेलना तय नहीं है। रबाडा का कहना है कि वह या कोई अन्य खिलाड़ी बाहर भी बैठता है तो भी उनकी टीम की जीत की संभावनएं कम नहीं होती। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसमें जो भी खेलेगा वह टीम को जीत दिलाएगा। उन्होंने कहा कि वह अपनी टीम की असफलताओं से उबरने और किसी भी खिलाड़ी के नहीं खेल पाने के बाद भी जीत की रहा तलाशने की क्षमताओं से बेहद प्रभावित हैं। दक्षिण अफ्रीका ने उनके बिन भी पहले टेस्ट में में भारतीय टीम के के खिलाफ जीत दर्ज की थी। टीम की गेंदबाजी भी कहीं से कमजोर नहीं थी।

रबाडा ने एक वीडियो में कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन बाहर बैठता है, हम तब भी जीतने का एक तरीका तलाश लेते हैं। कप्तान तेम्बा बावुमा ने पहले मैच में हमारे लिए अहम योगदान दिया है पर वह प्रत्येक मैच में नहीं खेल पाए। मैं भी इस मैच में नहीं खेल पाया था।' दक्षिण अफ्रीका ने इससे पहले बावुमा के बिना भी पाकिस्तान के खिलाफ पहला मैच गंवाने के बाद शानदार वापसी करके श्रृंखला 1-1 से बराबर कराई थी। रबाडा ने कहा, 'टीम को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई खिलाड़ी बाहर है। जो भी मैदान पर उतरेगा वह अपनी भूमिका सर्वश्रेष्ठ तरीके से निभाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ईडन गार्डन्स के असमान उछाल और टर्न लेने वाले विकेट पर जीत हासिल करने में सफल रहा। रबाडा ने कहा, 'कोलाकाता में पहली पारी में एडेन मार्करम और रयान रिकेल्टन ने हमें अच्छी शुरुआत दी। उन्होंने लय बनाई। मार्को यानसन ने अच्छा प्रदर्शन किया। कॉर्बिन बॉश ने भी अच्छा योगदान दिया।

रबाडा ने कहा कि कोलकाता में कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में मिली जीत इस सत्र में दक्षिण अफ्रीका की सर्वश्रेष्ठ तीन जीत में शामिल है। उन्होंने कहा, 'यह जीत निश्चित रूप से शीर्ष पर है।'

मानसिक रूप से तरोताजा रहने में कैसे मिलती है मदद, शार्दुल ठाकुर ने बताया

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर और मुंबई के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने बुधवार को कहा कि घरेलू सत्र के दौरान लाल गेंद के मैचों के बीच कुछ सीमित ओवरों के मैच खेलने से खिलाड़ियों को मानसिक रूप से तरोताजा रहने में मदद मिलती है। शारदुल ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा कार्यक्रम की भी सराहना की जो लगातार दूसरे सत्र में दो चरण में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने पहले इस प्रमुख घरेलू प्रतियोगिता के व्यस्त कार्यक्रम की आलोचना की थी जिसमें मैचों के बीच केवल तीन दिन का अंतराल होता था।

शारदुल ने बुधवार को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई की पुडुचेरी पर पारी और 122 रन की जीत के बाद संवाददाताओं से कहा, 'इस पर हमेशा मिश्रित राय होगी लेकिन व्यक्तिगत रूप से मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। लगातार दस मैच खेलना शरीर के लिए कठिन होता है।' उन्होंने कहा, 'हमने यह भी देखा है कि ब्रिटेन में कार्यक्रम कैसा होता है। वे लगातार सात या आठ प्रथम श्रेणी मैच खेलते हैं और फिर ब्रेक के बाद खेलते हैं। वे बीच में कुछ सीमित ओवरों के मैच भी रखते हैं जिससे कि सभी मानसिक रूप से तरोताजा रहें।'

शारदुल ने कहा, 'वरना आप तीन महीने तक सिर्फ एक ही प्रारूप खेलते हैं और फिर अचानक सीमित ओवरों का क्रिकेट और फिर लाल गेंद का क्रिकेट पीछे छूट जाता है। इसलिए यह अच्छा है कि हम पांच मैच खेल रहे हैं और हमें थोड़ा ब्रेक मिल रहा है। फिर हम सीमित ओवरों का टूर्नामेंट खेलेंगे और फिर से लाल गेंद के क्रिकेट में उतरते हैं। इस तरह सभी लय में रहते हैं। वे दोनों प्रारूप के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहते हैं।'

आईपीएल 2026 से पहले मुंबई इंडियन्स से जुड़ने पर शारदुल ने कहा कि यह काफी समय से लंबित था। उन्होंने कहा, 'हर कोई अपने घरेलू स्थल और घरेलू मैदान पर खेलना पसंद करता है। मुझे लगता है कि यह कई वर्षों से लंबित था। लेकिन जब समय आएगा तभी यह संभव होगा। मुझे लगता है कि आखिरकार समय आ गया है।'

बीसीसीआई ने ईडन गार्डन में आदर्श पिच बनाने को कहा

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता में हुए पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में कोलकाता के ईडन गार्डन मैदान की पिच की आलोचना से सबक लेते हुए गुवाहाटी में एक आदर्श पिच बनाने के निर्देश दिये हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 नवंबर से बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। बारसापारा में लाल मिट्टी की पिच रहेगी। वहीं कोलकाता में काली मिट्टी की पिच थी। लाल मिट्टी की

पिचें लगातार उछाल देती हैं और जल्दी टूटती नहीं हैं। इससे साफ है कि इस पिच पर बाद में स्पिनरों को लाभ होगा। बीसीसीआई ने गुवाहाटी के मुख्य क्यूरेटर आशीष भौमिक को किस प्रकार की पिच बनानी है। इसकी जानकारी दे दी है। बोर्ड नहीं चाहता कि पहली बार टेस्ट का आयोजन कर रहे गुवाहाटी के साथ 'रैंक टर्नर' का तमगा जुड़ जाये। यही कारण है कि दूसरे टेस्ट में पिच से गति और उछाल मिलने की उम्मीद की जा रही है। अगर गेंद स्पिन भी करती है, तो भी वह गति और उछाल के साथ होगी। इससे बल्लेबाजों के लिए खेलना आसान रहेगा। बीसीसीआई यह भी पक्का करना चाहता है कि पहले दिन से ही पिच में असमान उछाल न हो। ये सभी जानते हैं कि भारत में पिचें टूटती हैं और बल्लेबाज़ों को अनियमित उछाल के कारण परेशानी होती है। अब बोर्ड गुवाहाटी में कोलकाता जैसे हालात नहीं चाहता है। बरसापारा की पिच लाल मिट्टी से बनी है, जिससे तेज़ गति और उछाल मिलने की संभावना अधिक होती है। भारतीय टीम ने घरेलू सत्र से पहले ही अपनी माँगें स्पष्ट कर दी थीं। इसलिए, अगर पिच से उछाल मिलता है, तो वह तेज़ गति और उछाल के साथ घूमेगी। वहीं क्यूरेटर यह तय करने का प्रयास कर रहे हैं कि कोई ख़ास उतार-चढ़ाव वाला उछाल न हो।

दिल्ली क्राइम सीजन-3 में बड़ी दीदी का किरदार निभाना चैलेंजिंग

दिल्ली क्राइम सीजन-3 और महारानी-4 से ओटीटी पर तहलका मचाने वाली हुमा कुरैशी हर तरफ छाई हुई हैं। दोनों ही सीरीज को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है और अब एक्ट्रेस ने दिल्ली क्राइम सीजन-3 को लेकर खुलकर बात की है और साथ ही इस बात पर भी जोर दिया है कि सिनेमा में हर तरह की फिल्में बननी चाहिए, चाहे वे छोटी हो या बड़ी। हुमा कुरैशी ने आईएएनएस से बातचीत में बड़ी और छोटी दोनों तरह की फिल्में बनाने पर जोर दिया। हुमा ने कहा, हिंदी सिनेमा के लिए हमेशा बड़ी फिल्में ही जरूरी नहीं हैं, इतनी ही जरूरत छोटी और कम बजट वाली फिल्मों की भी है, और ऐसे कार्यक्रम उन सभी स्टार्स, निर्देशकों, और एक्टर्स को प्लेटफॉर्म देते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हमें अच्छी फिल्में बनानी होंगी। हमें ऑडियंस को देखकर अलग-अलग तरह की फिल्में बनानी होंगी। बार-बार एक तरह की फिल्म बनाने से नहीं होगा। बड़ी फिल्में और छोटी फिल्में दोनों को बराबर अहमियत देने की जरूरत है। दिल्ली क्राइम सीजन-3 में अपने निगेटिव रोल पर बात करते हुए हुमा ने कहा, मैंने पहली बार जिंदगी में इतना निगेटिव रोल प्ले किया है। जब पहली बार मुझे कॉल आया, तो मुझे लगा कि कॉप के किरदार के लिए फोन किया होगा, लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं, आपको निगेटिव रोल करना होगा। ये रोल मेरे लिए प्ले करना मुश्किल था, लेकिन मजा भी आया। उस वक्त मैं महारानी-4 की शूटिंग भी कर रही थी। मेरे लिए एक ही समय पर दो तरह के अलग रोल प्ले करना आसान नहीं था।

बता दें कि दिल्ली क्राइम सीजन 3 में हुमा कुरैशी ने एक दीदी का रोल प्ले किया है, जो छोटी बच्चियों की तस्करी करती है। सीरीज इस बार बस दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके तार विदेश तक फैले हैं। दिल्ली क्राइम सीजन-3 14 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, जबकि महारानी का नया सीजन 7 नवंबर को रिलीज हो गई थी। सीरीज को ऐसे मौके पर रिलीज किया गया, जब बिहार में जनता नई सरकार चुनने की तैयारी में थी। महारानी-4 बिहार की राजनीति पर बनी सीरीज है, जिसके शुरुआती तीन सीजन जबरदस्त रहे हैं। चौथे सीजन में कहानी को आगे बढ़ाते हुए इस बार पीएम पद की लड़ाई देखने को मिली है।

बॉलीवुड में सब बस अपना फायदा देखते हैं, यहां कोई किसी के लिए नहीं लड़ता

सयानी गुप्ता इन दिनों चर्चित वेब सीरीज दिल्ली क्राइम 3 को लेकर चर्चा में हैं। लड़कियों की तस्करी के मुद्दे पर आधारित इस सीरीज में वो नेगेटिव रोल में हैं। उन्होंने बताया कि ने देखा कि कुछ असिस्टेंट डायरेक्टर्स रात के डेढ़ बजे फुटपाथ पर बैठकर कैब की राह देख रही थीं। जॉली एलएलबी 2, फोर मोर शॉट्स प्लीज, पगलैट जैसी फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रहीं ऐक्ट्रेस सयानी गुप्ता इन दिनों चर्चित वेब सीरीज दिल्ली क्राइम 3 को लेकर चर्चा में हैं। लड़कियों की तस्करी के मुद्दे पर आधारित इस सीरीज में सयानी नेगेटिव भूमिका निभा रही हैं।

किसी को तो विलन बनना पड़ेगा

खुद एक फेमिनिस्ट होने के बावजूद सीरीज में बच्चियों के साथ हिंसा करने जैसे सीन करने को लेकर सयानी कहती हैं, हम ऐक्टर हैं और ऐक्टर होने के नाते आप हर तरह का रोल करना चाहते हैं। किसी को तो विलन बनना पड़ेगा। किसी को तो बुरे इंसान का रोल भी करना पड़ेगा और कन्विंसिंग तरीके से करना होगा। मैंने अपने 14 साल के करियर में दूसरी बार बुरे इंसान का रोल किया है और मुझे बहुत मजा आया क्योंकि मैं इसमें बहुत ही बदमाश हूं, जबकि असल जिंदगी में बिल्कुल भी बदमाश नहीं हूं। पर्सनली मुझे हिंसा से नफरत है, मैं ट्रिगर हो जाती हूं, पर इसमें मारपीट करने, गंदी-गंदी भाषा में गाली देने में बहुत मजा आया, क्योंकि जो आप नहीं रियल में नहीं कर सकते, वह ऐक्टर के तौर पर करने में भी एक मजा है। फिर, देखा जाए तो कोई भी इंसान पूरी तरह अच्छा या बुरा नहीं होता। शो में ही मेरे किरदार कुसुम की बात करें तो वह खुद दबाई गई है, इसलिए क्रूर बन गई है।

वो मुद्दे परेशान करते हैं वो दिखाना पसंद

लेकिन क्या लड़कियों की बेबसी का फायदा उठाने, उनकी सौदेबाजी जैसे सीन उन्हें झकझोरते या परेशान करते हैं? इस पर उन्होंने कहा, मुझे असल में उल्टा लगता है कि हम ऐक्टर्स के पास ये हथियार है कि जो चीजें या मुद्दे हमें परेशान करते हैं, उनको दिखाकर हम लोगों को सोचने पर मजबूर कर सकते हैं। मतलब, जो मुद्दे मुझे परेशान करते हैं या सोच में डालते हैं, मैं उन कहानियों का हिस्सा जरूर बनना चाहूंगी, क्योंकि अगर हम किसी फिल्म या शो के जरिए उसे मेनस्ट्रीम में ला पाएं और उस पर चर्चा हो तो इससे बेहतर क्या होगा। वे लड़कियां इतनी रात में घर कैसे जाएंगी। मुझे लगता है कि हम ऐक्टर उस जगह पर हैं जहां उन लोगों के लिए बोल सकते हैं, जिनकी नहीं सुनी जाती तो आवाज उठाना हमारा कर्तव्य है।

हमारे यहां कोई दूसरे के लिए नहीं लड़ता

सयानी को फिल्म सेट पर टीम संग गैरबराबरी से जुड़ी कई चीजें भी परेशान करती हैं। शूटिंग की शिफ्ट तय होने की चर्चा छिड़ने पर वह बेबाकी से कहती हैं, हमारे यहां ऐक्टर की मजबूत यूनियन ही नहीं है। जैसे हॉलिवुड में एआई को लेकर इतनी बड़ी हड़ताल हुई। पूरी इंडस्ट्री के ऐक्टर, डायरेक्टर वो चाहे कितने भी अनुभवी या नए थे, हर कोई साथ आया, काम बंद किया। हमारे यहां ऐसा नहीं है। यहां सब अपना-अपना सोचते है। कोई किसी के लिए नहीं लड़ता। हम भारतीयों की सोच यही है कि हमारा काम नहीं जाए। मैं क्यों लडूं, यहां हर कोई ओवरटाइम करता है जिसका उन्हें कोई एक्स्ट्रा पैसा नहीं मिलता। देखिए, बतौर ऐक्टर मैं 20 घंटे भी काम हुआ तो करूंगी, पर जो लाइटमैन सबसे पहले आता है और सबसे बाद में जाता है और वो ट्रेन से जाएगा। उसके पास गाड़ी नहीं है। ऐसे सैकड़ों लोग सेट पर होते हैं, जिनके लिए बेसिक सुविधाएं नहीं होतीं।

ब्रेक के बाद निर्देशक दानिश असलम की फिल्म से वापसी करेंगे इमरान खान

आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान 10 साल बाद फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। वह अपने पुराने दोस्त और निर्देशक दानिश असलम के साथ एक नई फिल्म बना रहे हैं, जिनके साथ उन्होंने 15 साल पहले ब्रेक के बाद बनाई थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में इमरान ने अपनी वापसी और इस फिल्म के बारे में खुलकर बात की।

इमरान ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनकी आगामी फिल्म ब्रेक के बाद की तरह ही है। उन्होंने कहा, यह फिल्म मेरे और दानिश के जीवन के अनुभवों से बनी है। दानिश की शादी हो चुकी है, और मेरा तलाक हो गया है। यह एक निजी प्रोजेक्ट है, जो दोस्तों के साथ मिलकर कहानी कहने की इच्छा से शुरू हुआ। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और यह पोस्ट-प्रोडक्शन में है। जल्द ही स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज डेट की घोषणा होगी।

ब्रेक के बाद की कहानी

इमरान ने बताया कि उन्होंने पहले ब्रेक के बाद फिल्म के लिए मना कर दिया था। उस समय वह आई हेट लव स्टोरीज की शूटिंग कर रहे थे। दानिश ने उन्हें कहानी सुनाने की कोशिश की, लेकिन इमरान को कहानी सुनना पसंद नहीं था, इसलिए उन्होंने मना कर दिया। बाद में एक पार्टी में दानिश से मुलाकात हुई और उनकी बातचीत से इमरान का मन बदल गया। दानिश ने उन्हें स्क्रिप्ट भेजी, जो इमरान को पसंद आई, और फिर उन्होंने फिल्म की शूटिंग शुरू की।

इमरान का करियर

आखिरी बार इमरान 2015 में फिल्म कट्टी बट्टी में नजर आए थे। इस फिल्म के बाद उन्होंने अभिनय छोड़ दिया था, क्योंकि उन्हें मिलने वाले किरदार पसंद नहीं आ रहे थे। अब वह वापसी कर रहे हैं, लेकिन वह अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर बहुत सावधानी बरत रहे हैं।

मां वंदे में पीएम मोदी की मां का किरदार निभाएंगी रवीना

रवीना टंडन हमेशा अपने दमदार और संवेदनशील अभिनय के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में फिल्म पटना शुक्ला और लॉयर में उनके प्रदर्शन को दर्शकों ने खूब सराहा था। अब खबर है कि रवीना एक और महत्वपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक मां वंदे का हिस्सा बन गई हैं। इस फिल्म में रवीना, प्रधानमंत्री की दिवंगत मां हीराबेन मोदी की भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन क्रांति कुमार करेंगे, जबकि दक्षिण भारतीय अभिनेता उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक... रवीना इस किरदार को लेकर बेहद उत्साहित हैं। वह हमेशा से हीराबेन की सादगी, संघर्ष और कठिन परिस्थितियों में भी सकारात्मक रहने की क्षमता की प्रशंसक रही हैं। एक सूत्र ने बताया कि यह फिल्म मां-बेटे के रिश्ते पर बेस्ड भावनात्मक फिल्म होगी। इसमें हीराबेन के त्याग, उनकी दृढ़ता और मोदी के जीवन में उनके योगदान को प्रमुखता से दिखाया जाएगा। रवीना, हीराबेन के जीवन की इन्हीं बातों से प्रभावित होकर इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हैं। साउथ इंडस्ट्री के एक्टर उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका में नजर आएंगे।

लक्ष्मण उतेकर की फिल्म ईथा में दिखाई देंगे रणदीप हुड्डा

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी नई फिल्म ईथा को लेकर चर्चा में हैं। 2024 में रिलीज हुई स्त्री 2 की बड़ी सफलता के बाद श्रद्धा अब एक बार फिर अलग अंदाज में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं, जिन्होंने पहले छावा जैसी फिल्म बनाई थी। ताजा जानकारी के अनुसार... फिल्म में श्रद्धा के साथ अभिनेता रणदीप हुड्डा मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। यह पहली बार होगा जब श्रद्धा और रणदीप स्क्रीन पर दिखेंगे। दोनों के बीच लगभग 11 साल की उम्र का अंतर है। शूटिंग महीने के अंत तक मुंबई में शुरू होने वाली है। रणदीप और श्रद्धा दोनों को लेकर निर्माता बेहद उत्साहित हैं, क्योंकि दोनों ही कलाकारों में गहराई और बहुमुखी प्रतिभा है, जो निर्देशक की सोच से पूरी तरह मेल खाती है।

कहानी की बात करें तो यह फिल्म एक मशहूर लावणी और तमाशा कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर की बायोपिक है। श्रद्धा इस किरदार के लिए लावणी डांस की ट्रेनिंग ले रही हैं।

हैवान में अक्षय को चेज करते दिखेंगे सैफ

अक्षय कुमार के काम की स्पीड एक बार फिर चर्चा में है। प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही फिल्म हैवान की शूटिंग हाल ही में मुंबई के चर्चगेट स्टेशन के पास पूरी हुई। इसमें अक्षय और सैफ अली खान ने लगातार पांच दिन रातों तक शूटिंग कर फिल्म का क्लाइमेक्स सीक्वेंस कंप्लीट किया। फिल्म में बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस शूट किए गए हैं। इस सीन में करीब 30-40 कारें और 100 जूनियर आर्टिस्ट शामिल थे, जिसे एक्शन डायरेक्टर स्टंट सिल्वा ने कोरियोग्राफ किया। रात के समय आउटडोर शूटिंग को लेकर प्रियदर्शन ने कहा कि... मुंबई जैसे व्यस्त शहर में इतनी बड़ी यूनिट के साथ शूट करना आसान नहीं था लेकिन अक्षय और सैफ ने बेहद प्रोफेशनल अंदाज में साथ दिया।

मलयालम थ्रिलर ओप्पम की हिंदी रूपांतरण है ये फिल्म

दिलचस्प बात यह है कि अक्षय आमतौर पर जल्दी सोने के लिए जाने जाते हैं लेकिन उन्होंने इस लेट-नाइट शूट में पूरी तन्मयता से काम किया। फिल्म हैवान प्रियदर्शन की 2016 की मलयालम थ्रिलर ओप्पम की हिंदी रूपांतरण है। जहां मूल फिल्म में मोहनलाल ने लीड निभाया था, वहीं हिंदी वर्जन में सैफ ने एक नेत्रहीन व्यक्ति के किरदार में हैं, जिसकी सूंघने और सुनने की शक्ति बेहद तीव्र है। वे अक्षय के विलन किरदार से भिड़ते हैं।

अगस्त में शुरू हुआ था शूट

प्रियदर्शन ने बताया... हैवान एक कॉमेडी थ्रिलर है जिसमें नायक और खलनायक के बीच चूहे-बिल्ली की पकड़म-पकड़ाई जैसे खेल चलता है। फिल्म का बड़ा हिस्सा अगस्त 2025 में शूट होना शुरू हुआ था और अब लगभग पूरा हो चुका है।

बता दें कि अक्षय ने दुबई में वेलकम टू द जंगल की शूटिंग शुरू करने से पहले अपना हिस्सा खत्म कर लिया था, जबकि सैफ के कुछ सीन्स बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में फिल्माए जा रहे हैं। प्रियदर्शन के लिए 2025 काफी प्रोडक्टिव रहा है। 69 साल की उम्र में उन्होंने भूत बंगला और हैवान जैसी दो बड़ी फिल्में पूरी की हैं। हैवान 2026 की शुरुआत में रिलीज होगी और इसे प्रियदर्शन की सबसे बड़ी हिंदी परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है।

बैक-टू-बैक कई प्रोजेक्ट हैं अक्षय के पास

अक्षय, प्रियदर्शन की एक और कॉमेडी-हॉरर फिल्म भूत बंगला में भी दिखेंगे। इसमें उनकी जोड़ी तबु के साथ 25 साल बाद बनेगी। साथ ही परेश रावल और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कॉमेडियन भी फिल्म में नजर आएंगे। वहीं 2027 में ही रिलीज होने वाली उनकी ओह माय गॉड फिर एक बार सामाजिक और धार्मिक पाखंड पर व्यंग्य करेगी, जिसमें अक्षय एक बार फिर गॉड के मैसेंजर बनेंगे। वहीं 2027 साइको में आने वाली है जो एक साइकोलॉजिकल एक्शन थ्रिलर है। यह अक्षय को एक डार्क और गहन अवतार में दिखाएगी। इसके अलावा रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का अगला अध्याय सूर्यवंशी 2 है, जिसमें अक्षय, अजय देवगन और रणवीर सिंह एक साथ फिर से धमाकेदार एक्शन अवतार में लौटेंगे।

श्रिया पिलगांवकर ने भी पूरी की फिल्म हैवान की शूटिंग

श्रिया पिलगांवकर ने भी हैवान की शूटिंग पूरी कर ली है। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की। श्रिया ने निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म के सेट से एक खास तस्वीर पोस्ट की है, जिसमें दोनों मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में श्रिया हाथ में एक क्लैप बोर्ड पकड़े दिख रही हैं, जिस पर फिल्म का नाम हैवान लिखा है। श्रिया ने लिखा... मेरे लिए हैवान का काम खत्म हुआ। इस शानदार टीम के साथ काम करना एक सौभाग्य रहा, जिसका नेतृत्व निर्देशक प्रियदर्शन ने किया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।